E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 125 | गुवाहाटी | बुधवार, 4 दिसंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

बांग्लादेश कर रहा है भारतीय टीवी चैनलों पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी — पेज 2

दिव्यांगों को पीछे छोड़कर समाज कभी आगे नहीं बढ़ सकता : मंत्री हजारिका — पेज 3

बांग्लादेश में हिंदुओं के संहार के विरोध में बलिया में उबाल, हिंदू संगठनों ने ... — पेज 5

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 8-6 से हराया, नॉकआउट चरण में पहुंचने में असफल — पेज 7

बांग्लादेशी हिंदुओं को इस्कॉन की सलाह

भगवा मत पहनो, उतारो माला और पोछ डालो तिलक...

डिजिटल डेस्क, कोलकाता। बांग्लादेश में हिंदुओं और इस्कॉन पुजारियों के खिलाफ बढ़ती हिंसा को देखते हुए इस्कॉन कोलकाता ने हिंदुओं और पुजारियों को एक सलाह दी है। हिंदुओं पर हमलों के बीच, इस्कॉन कोलकाता ने पड़ोसी देश में अपने सहयोगियों और अनुयायियों को सलाह दी है कि वे तिलक मिटा दें और तुलसी की माला छिपा लें, अपना सिर ढक लें और भगवा पहनने से बचें। यह सलाह इस्कॉन कोलकाता के उपाध्यक्ष राधारमण दास की तरफ से दी गई है। उन्होंने कहा कि मैं सभी भिक्षुओं और सदस्यों को सलाह दे रहा हूं कि संकट की इस घड़ी में, उन्हें अपनी सुरक्षा करने -शेष पृष्ठ दो पर

संत चिन्मय कृष्ण दास को नहीं मिली जमानत

ढाका। हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास का प्रतिनिधित्व करने के लिए कोई वकील उपलब्ध नहीं हो पाने के कारण उन्हें बांग्लादेश की अदालत से मंगलवार को कोई राहत नहीं मिल सकी और उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई एक महीने के लिए स्थगित कर दी गई। मीडिया रिपोर्ट से -शेष पृष्ठ दो पर

ऑल त्रिपुरा होटल-रेस्टोरेंट एसोसिएशन ने लिया बड़ा फैसला, कहा-

अब राज्य में बांग्लादेशियों को नहीं मिलेगा होटल-भोजन

अगरतला। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों और भारतीय झंडे के प्रति को लेकर को लेकर लगातार भारत के कई राज्यों में प्रदर्शन हो रहे हैं। इतना ही नहीं कुछ दिन पहले तो अगरतला और कोलकाता के दो अस्पतालों ने बांग्लादेशी नागरिकों के इलाज पर भी रोक लगा दी थी। इस बीच सोमवार को त्रिपुरा होटल और रेस्टोरेंट्स ने भी एक बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने अब बांग्लादेशियों को सेवाएं देने से किया इनकार कर दिया है। पूर्वोत्तर राज्य में ट्रावेल सेक्टर के शीर्ष संघ की ओर से जारी बयान में यह जानकारी दी गई। दोनों पड़ोसियों के बीच राजनयिक संबंधों में तनाव को देखते हुए यह फैसला हुआ है। ऑल-त्रिपुरा होटल और रेस्तरां मालिक संघ की ओर से जारी बयान में कहा कि राज्य के होटल बांग्लादेशी पर्यटकों को कमरे नहीं देंगे और रेस्तरां में उन्हें भोजन नहीं दिया जाएगा। यह बयान ऐसे समय जारी हुआ जब सैकड़ों लोगों ने राजधानी अगरतला में बांग्लादेशी मिशन के चारों ओर विशाल रैली निकाली। इस दौरान बांग्लादेश में हिंदू भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के साथ-साथ पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों पर हमलों का विरोध किया गया। एटीएचआरओए के -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त तलब

नई दिल्ली। अगरतला में बांग्लादेश सहायक उच्चायोग के बाहर हिंदू नेता चिन्मय दास की गिरफ्तारी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के बाद मंगलवार को पूछताछ के लिए भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब किया गया। इस मामले में सात लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। उन पर बांग्लादेश के वाणिज्य दूतावास में घुसने और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम ने सिंधिया को एडवांटेज असम में भाग लेने का दिया निमंत्रण

नई दिल्ली/गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को यहां अपने आधिकारिक आवास पर केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम.सिंधिया से मुलाकात की। लगभग 30 मिनट तक चली बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने केंद्रीय मंत्री सिंधिया को अगले साल फरवरी में गुवाहाटी में होने वाले एडवांटेज असम शिखर सम्मेलन में भाग लेने का निमंत्रण दिया। दिल्ली में अष्टलक्ष्मी महोत्सव के आयोजन के लिए केंद्रीय मंत्री सिंधिया की प्रशंसा करते हुए, जो पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र को एक बड़ी -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री हिमंत ने की नितिन गडकरी से मुलाकात

गुवाहाटी रिंग रोड, राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा की

नई दिल्ली/गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से उनके कार्यालय में मुलाकात की और असम में चल रही कई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं पर चर्चा की। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय और असम सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में हुई इस -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

मन्त्रणा की संपत्ति से ही राज्य का विकास होता है।

– आचार्य चाणक्य

मणिपुर में लापता मैतेई शख्स की सेना के 2000 जवान कर रहे तलाश

इंफाल। मणिपुर में लापता मैतेई शख्स की तलाश बड़े पैमाने पर की जा रही है, इसमें सेना के करीब 2000 जवान, शिकारी कुत्ते और ड्रोन की मदद से खोजबीन जारी है। सेना के अनुसार, असम के कछार जिले के मूल निवासी लैशराम कमलबाबू सिंह, जो इंफाल पश्चिम के खुखरुल में रहते थे, 57वें माउंटेन डिवीजन के लेइमाखोंग सैन्य स्टेशन में मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विसेज (एमईएस) के साथ काम करने वाले एक ठेकेदार के लिए कार्य पर्यवेक्षक थे। इस मामले में मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा था कि वह सैन्य स्टेशन से लापता हो गए थे, उन्होंने अधिकारियों से उन्हें खोजने की जिम्मेदारी लेने को कहा था। इस मामले में मणिपुर पुलिस ने सोमवार रात सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि 25 नवंबर 2024 से -शेष पृष्ठ दो पर

नए आपराधिक कानून औपनिवेशिक युग के कानूनों के अंत का प्रतीक हैं : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में तीन नए आपराधिक कानूनों भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के सफल क्रियान्वयन से राष्ट्र को अवगत कराया और कहा कि नए आपराधिक कानून औपनिवेशिक युग के कानूनों के अंत का प्रतीक हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि न्याय संहिता का मूल मंत्र नागरिक प्रथम है। ये कानून नागरिक अधिकारों के रक्षक और *न्याय की सुगमता* का आधार बन रहे हैं। पहले एफआईआर दर्ज करवाना बहुत मुश्किल था लेकिन अब जीरो एफआईआर को कानूनी मान्यता दे दी गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पीड़ित को एफआईआर की कॉपी दिए जाने का अधिकार दिया गया है और आरोपित के खिलाफ कोई भी मामला तभी वापस लिया जाएगा, जब पीड़ित सहमत होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि नए आपराधिक कानून हमारे संविधान द्वारा हमारे देश के नागरिकों के लिए कल्पित आदर्शों को पूरा करने की दिशा में एक ठोस कदम है। -शेष पृष्ठ दो पर

महाराष्ट्र में सरकार गठन का निकला फॉर्मूला

भाजपा का होगा सीएम, शिंदे और अजित पवार बनेंगे डिप्टीसीएम

मुंबई। महाराष्ट्र में सरकार गठन को लेकर चर्चा तेज हो गई है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और उनके दो डिप्टी के 5 दिसंबर को पद की शपथ लेने की उम्मीद है। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा के देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री पद पर वापसी के लिए तैयार हैं। सूत्रों ने कहा कि शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अजित पवार के साथ समारोह के दौरान शपथ लेने वाले तीन नेताओं में शामिल होंगे। -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

त्रिपुरा पुलिस ने अखौरा चेक पोस्ट पर बढ़ाई सुरक्षा

अगरतला (हि.स.)। त्रिपुरा पुलिस ने मंगलवार को *बांग्लादेश चलो अभियान* रैली के मद्देनजर अगरतला के अखौरा एकीकृत चेक पोस्ट (आईसीपी) पर सुरक्षा कड़ी कर दी है। चेकपोस्ट पर बैरिकेडिंग की गई है। यह विरोध बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार और इस्कॉन सदस्य चिन्मय कृष्ण दास प्रभु -शेष पृष्ठ दो पर

ट्रंप की टैरिफ धमकी का भारत ने दिया संयमित और सशक्त जवाब

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत सहित ब्रिक्स को टैरिफ की धमकी को लेकर बहुत ही संयमित व सशक्त जवाब दिया है। ट्रंप ने ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) को चेतावनी दी है कि अगर वे अमेरिकी डॉलर को चुनौती देने के लिए अपनी नई मुद्रा शुरू करने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें 100 प्रतिशत टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। ट्रंप की इस धमकी के जवाब में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सधी हुई प्रतिक्रिया दी है। सीआईआई पार्टनरशिप समिट में बोलते हुए, जयशंकर ने ट्रंप की धमकी का सीधा जवाब देने के बजाय भारत-अमेरिका संबंधों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अलग-अलग देशों के ट्रंप प्रशासन से अलग अनुभव रहे हैं। लेकिन भारत के लिए, अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी समय के साथ और गहरी हुई है। हमारा सहयोग आर्थिक और तकनीकी क्षेत्रों में विश्वसनीय रहा -शेष पृष्ठ दो पर

भारत की टैक्स प्रणाली दुनिया में सबसे पारदर्शी और विश्वसनीय मानी जाती है : लोस अध्यक्ष

नई दिल्ली (हि.स.)। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज इस बात पर जोर दिया कि भारत की टैक्स प्रणाली दुनिया में सबसे श्रेष्ठ प्रणाली है, जिसमें पारदर्शिता, कानून का शासन और कर नीतियों में स्थिरता है। इन नीतियों और कानूनों के कारण, पूरी दुनिया की कंपनियां और वहां के लोग भारत में निवेश करना चाहते हैं। ओम बिरला ने कहा कि स्थिर कर नीति के कारण भारत वैश्विक निवेशकों के लिए पसंदीदा निवेश स्थलों में से एक बन गया है। कर सुधार उपायों, विशेष रूप से जीएसटी का उल्लेख करते हुए, बिरला ने इस बात पर प्रकाश डाला कि हाल में किए गए इन उपायों से कराधान सरल हुआ है और भारत में व्यापार करना आसान हो गया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी ने हमारे देश में *एक राष्ट्र, एक कर* की प्रणाली शुरू की है और पूरा विश्व इससे सीखने को उत्सुक है। बिरला ने कहा कि संसद और सरकार ने समय-समय पर कराधान प्रणाली में सुधार किए हैं, यही कारण है कि आज भारत की टैक्स प्रणाली दुनिया में सबसे पारदर्शी और विश्वसनीय मानी जाती है। उन्होंने कहा कि आईआरएस अधिकारियों द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्य से भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है, जिसके कारण दुनिया भर के निवेशक भारत में निवेश करना चाहते हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

एससी ने छात्रा से दुष्कर्म और हत्या के मामले में दोषी की मौत की सजा पर लगाई रोक

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने झारखंड की राजधानी रांची में 19 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्रा से दुष्कर्म और उसकी हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए 30 वर्षीय व्यक्ति की मौत की सजा पर मंगलवार को रोक लगा दी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति पंकज मित्तल और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने निचली अदालत और उच्च न्यायालय के रिकॉर्ड की अनुवादित प्रति मांगी है। पीठ ने कहा कि मृत्युदंड की तामील पर रोक रहेगी। रजिस्ट्री ऑनलाइन प्रति के अलावा निचली अदालत और उच्च न्यायालय से रिकॉर्ड की प्रति हासिल करें। झारखंड उच्च न्यायालय ने बिहार के नवादा जिले के रहने वाले राहुल कुमार उर्फ राहुल राज को निचली अदालत द्वारा दी गई मौत की सजा की पुष्टि की थी। युवती की 15 दिसंबर 2016 को हत्या कर दी गई थी। उससे दुष्कर्म करने के बाद उसका गला घोंट दिया गया था और फिर शव को आग लगा दी गई थी। इस घटना के तीन साल बाद दिसंबर 2019 में निचली अदालत ने राहुल कुमार को दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई थी। ठंड का मौसम आ चुका है और राजधानी दिल्ली में भी पारा गिर रहा है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डीयूएसआईबी) से राष्ट्रीय राजधानी में आने वाली सर्द सर्दियों के मद्देनजर बेघर लोगों के लिए उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी मांगी। न्यायमूर्ति बी आर गवई और के वी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि हम इसे लेकर चिंतित हैं। पीठ ने डीयूएसआईबी से हलफनामा दाखिल कर बेघर लोगों को आवास देने के लिए बोर्ड के पास उपलब्ध सुविधाओं सहित अन्य विवरण देने को कहा। शीर्ष अदालत ने डीयूएसआईबी से आश्रय गृहों में रहने वाले लोगों की संख्या और बेघर लोगों का अनुमान बताने को कहा। -शेष पृष्ठ दो पर

टंप ने दी हमास को धमकी, कहा-

अगर बंधक नहीं छोड़े गए तो मिडिल ईस्ट में तबाही मच जाएगी

वाशिंगटन। अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को एक सख्त बयान दिया, जिसमें उन्होंने कहा कि यदि 20 जनवरी 2025 तक इजरायल के बंधक गाजा से रिहा नहीं किए गए, तो वह मध्य पूर्व में *तबाही* मचाने की धमकी देंगे। उनका यह बयान इजरायल और हमास के बीच जारी संघर्ष के संदर्भ में आया है, जिसमें 250 से ज्यादा बंधक अभी भी गाजा में फंसे हुए हैं। ट्रंप ने कहा कि जो लोग बंधकों को कैद किए हुए हैं, उनके खिलाफ अमेरिका सख्त एक्शन लेगा और उन्हें *इतिहास की सबसे बड़ी सजा* दी जाएगी। 2023 में 7 अक्तूबर को हमास द्वारा इजरायल पर किए गए हमले में 250 से अधिक लोग बंधक बनाए गए थे, जिनमें इजरायल-अमेरिकी नागरिक भी शामिल थे। इसके बाद से, युद्ध और संघर्ष के बावजूद, हमास इन बंधकों को अपनी शर्तों के तहत रिहा करने के लिए तैयार नहीं हुआ है। गाजा में अब भी 101 विदेशी और इजरायली -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

बांग्लादेश कर रहा है भारतीय टीवी चैनलों पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी

ढाका। बांग्लादेश उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की गई है, जिसमें भड़काऊ समाचारों के प्रसारण का हवाला देते हुए देश में सभी भारतीय टीवी चैनलों पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध किया गया है। खबरों के अनुसार, वकील इखलास उद्दीन भुइयां ने इस संबंध में याचिका दायर की है और सोमवार को उन्होंने इसकी पुष्टि की। भुइयां ने बताया कि न्यायमूर्ति फातिमा नजीब और न्यायमूर्ति सिकदर महमूदुर रजी की पीठ इस मामले में सुनवाई कर सकती है। खबर में कहा गया कि *केबल टेलीविजन नेटवर्क ऑपरेशन एक्ट 2006* की धारा 29 के तहत बांग्लादेश में सभी भारतीय टीवी चैनलों के प्रसारण पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश देने का अनुरोध करते हुए उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर की गई है। खबर में बताया गया कि *स्टार जलसा, स्टार प्लस, जी बांग्ला, रिपब्लिक बांग्ला* और अन्य सभी भारतीय टीवी चैनलों पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध किया गया है। इसके अनुसार याचिका में आरोप लगाया गया कि भारतीय चैनलों पर भड़काऊ खबरों का प्रसारण किया जा रहा है और बांग्लादेशी संस्कृति का विरोध करने वाली सामग्री के अनियंत्रित प्रसारण से युवाओं पर बुरा असर पड़ रहा है। इसमें दावा किया गया कि ये चैनल किसी भी नियम का पालन नहीं कर रहे हैं। याचिका में सूचना मंत्रालय और गृह मंत्रालय के सचिव, बांग्लादेश दूरसंचार नियामक आयोग (बीटीआरसी) और अन्य को याचिका में पक्षकार बनाया गया है। अगस्त में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ता से बेदखल होने और मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के सत्ता में आने के बाद से भारत और बांग्लादेश के बीच संबंध तनावपूर्ण हैं। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं पर हमलों को लेकर भारत लगातार चिंता व्यक्त कर रहा है। भारत और बांग्लादेश के बीच कूटनीतिक विवाद तब शुरू हुआ जब इस्कॉन (अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ) के पूर्व सदस्य एवं आध्यात्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दास को 25 नवंबर को ढाका में गिरफ्तार किया गया। दास को देशद्रोह के एक मामले में गिरफ्तार किया गया और बाद में एक अदालत ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया, जिसके बाद राजधानी ढाका और चटगांव सहित विभिन्न स्थानों पर समुदाय के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

सरूपथार डाकघर में डकैती

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट जिले के सरूपथार स्थित डाकघर से डकैतों के एक गिरोह ने रुपए लूट लिए। लूट की वारदात सरूपथार थाने की नाक के नीचे हुई। घटना सोमवार की शाम करीब चार बजे की है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि सरूपथार में थाने से करीब तीन सौ मीटर की दूरी पर स्थित डाकघर से बाइक सवार तीन डकैतों के समूह ने चतुराई से करीब एक लाख तीस हजार रुपए लूट लिए। पोस्ट ऑफिस के पोस्ट मास्टर से डकैतों ने रुपए लूटे। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पूसी रेलवे ने खोला गुवाहाटी में नया रेल कोच रेस्टोरेंट

गुवाहाटी (हिंस)। यात्रियों और आम जनता को भोजन करने का एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करने की दिशा में, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसी रेलवे) द्वारा 2 दिसंबर को गुवाहाटी के जहाज घाट (अल्फ्रेस्को ग्रैंड) के विपरीत, उजान बाजार रिवरफ्रंट में एक नए रेल कोच रेस्टोरेंट का उद्घाटन किया गया। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने मंगलवार को बताया कि इस भव्य उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पूसी रेलवे के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव और मुख्यालय एवं लामडिंग मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। यह पहल पूसी रेलवे के व्यापक विजन का एक हिस्सा है, जिसके तहत बेकार हो चुके रेल डिब्बों को स्थानीय विरासत की झलकियों के साथ सौंदर्यीकृत डिजाइन वाले रेस्टोरेंट में परिवर्तित किया जाएगा। रेल कोच रेस्टोरेंट का उद्देश्य यात्रियों, पर्यटकों और निवासियों की जरूरतों को पूरा करते हुए अतीत की यादों में रेलवे डाइनिंग माहौल प्रदान करना है। वर्तमान में, नए कोच रेस्टोरेंट सहित पूसी रेलवे के कई स्थानों और प्रमुख स्टेशनों पर 17 कोच रेस्टोरेंट संचालित हैं। इन रेस्टोरेंटो ने अपने अनूठे माहौल और गुणवत्तापूर्ण सेवा के लिए अपार लोकप्रियता हासिल की है।

No.DDB/15th FC/2022-23/1539 *Date 29/11/2024*

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender affixing a non-refundable Court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight & twenty five) only with a validity period of 180 Days, which will subsequently to be converted and drawn up in the printed of **F-2 form** are invited from the registered Contractors of Class-II and Class-I (A, B & C) category of Assam PWD (Roads & Building) and BTC, according to their eligibility for submitting tenders for the works under **15th Finance Commission** as stated below. The tenders will be received by the undersigned up to **12.00** Noon on **26/12/2024** and will be opened on the same date & place at 3.00 P.M.

Sl. No.	Name of works	Tender Amount (Approx)	Cost of Tender Paper	Time of Completion of Work
1	Construction of Community Toilet with running water provision at Baganpara Anchalik committee ABSU office under 15th FC (Tied Grant) for the year 2022-23 during 2024-25.	Rs. 14,28,912.00	Rs. 750/-	3 (three) Months from the date of issue of F.W.O.
2	Construction of Community Toilet at Adla Jwhwlao Sikhna Committee Office under 15th FC (Tied Grant) for the year 2023-24 during 2024-25.	Rs.10,47,960.00	Rs. 750/-	do
3	Construction of Community Toilet at Uttar Kalaipara Min Palon Sambari Samity under 15th FC (Tied Grant) for the year 2023-24 during 2024-25.	Rs.10,47,960.00	Rs.750/-	do
4	Construction of Office building at Bathou Ashram High School, Nobasti (Adla VCDC) under 15th Finance Commission (Untied Grant) for the year 2023-24.	Rs.10,00,000.00	Rs.750/-	do
5	Construction of Alanga Sainasali at Jopadong Anadapur near Brahma Mandir, Jopadong under 15th Finance Commission (Untied Grant) for the year 2023.24	Rs.5,00,000.00	Rs.750/-	do
6	Improvement of road from Santipur Kowarpar LP School Chowk to Santipur Guakuchi Chowk under 15th Finance Commisssion (Untied Grant) for the year 2023-24,	Rs.2,50,000.00	Rs.500/-	do

Detail N.I.T. may be seen in all working days during office hours in the office of the undersigned. Tender papers will be issued to the contractors or their authorized agents from **04/12/2024 to 26/12/2024** in the office of the undersigned on payment in the form of Demand Draft/Banker's Cheque from any Nationalized Bank, duly pledged in favour of the Principal Secretary, BTC Kokrajhar, payable at Kokrajhar.

Sd/- Block Development Officer,
Dhamdhama Dev. Block, Baganpara

IPR(BTC)-2023-24/992

गुवाहाटी में हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की पान बाजार पुलिस ने क्राइम ब्रांच के साथ संयुक्त अभियान के दौरान ड्रग्स की तस्करी मामले में दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। जिनमें एक तस्कर नाबालिक है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के तीन नंबर रेलवे गेट इलाके में क्राइम ब्रांच के सहयोग से चलाए गए संयुक्त अभियान के दौरान दोनों ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार ड्रग्स तस्करों के पास से छह प्लास्टिक की छोटी शीशियों में भरकर रख गए 8.18 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रोहित महतो (24, मुजफ्फरपुर, बिहार), जबकि अन्य एक आरोपी नाबालिक के रूप में हुई है, जो धुबड़ी जिले का रहने वाला है। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

भारत अतंर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव का समापन

नई दिल्ली (हि.स.)। आईआईटी गुवाहाटी में पिछले चार दिनों से चल रहे भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव का मंगलवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस महोत्सव में भारत को विनिर्माण केंद्र बनाने के साथ देश को 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए नवाचार को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। मंगलवार को आयोजित समापन समारोह में असम के विज्ञान, प्रौद्योगिकी और जलवायु परिवर्तन मंत्री केशव महानता मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस मौके पर सीएसआईआर की महानिदेशक डॉ एन. कलैसेल्वी, सीएसआईआर-एनआईआईएसटी, तिरुवनंतपुरम के निदेशक डॉ सी. आनंदधर्मकृष्णन, विज्ञान भारती के महासचिव पी.ए. विवेकेंद्र पई सहित भारत के विज्ञान और प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र की कई प्रतिष्ठित हस्तियां मौजूद थीं। इस कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्य अतिथि केशव महंत ने कहा कि आईआईएसएफ 2024 वास्तव में भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों का एक उल्लेखनीय उत्सव रहा है, जो हमारे भविष्य को आकार देने में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। पिछले चार दिनों में हमने नवाचार, सहयोग और ज्ञान-साझाकरण का एक प्रेरक प्रदर्शन देखा है, जिसमें जीवन के सभी क्षेत्रों के प्रतिभागी विज्ञान की परिवर्तनकारी शक्ति का पता लगाने के लिए एक साथ आए हैं। उन्होंने विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साथ-साथ उन सभी भागीदारों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि असम इस तरह के एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम की मेजबानी करने के लिए सम्मानित महसूस कर रहा है, और हम इसके लिए प्रतिबद्ध हैं।

स्कूटी चोरी मामले में दो गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की फटासील आमबाड़ी पुलिस ने स्कूटी चोरी मामले में शामिल दो चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि आमबाड़ी थाने में स्कूटी चोरी से संबंधित दर्ज मामला 322/2024 धारा 305 बीएनएस के तहत पुलिस की टीम ने जांच के दौरान दो चोरों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार चोरों के पास से स्कूटी (एएस-01ईजी-7682) बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपियों के पास से लोगों से छीनी गई तीन मोबाइल फोन भी बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान साहिर अली (21) और अहिदूल अली (27) के रूप में की गई है। गिरफ्तार दोनों आरोपी धीरेनपाड़ा के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस पहले से दर्ज प्राथमिकी के आधार पर गिरफ्तार दोनों आरोपियों से सघन पूछताछ कर रही है।

पृष्ठ एक का शेष

भगवा मत पहनो...

और संघर्ष से बचने के लिए बहुत सावधान रहना चाहिए। मैंने उन्हें सुझाव दिया है कि वे भगवा कपड़े और माथे पर सिन्दूर लगाने से बचें। राधारमण दास ने आगे कहा कि यदि उन्हें भगवा डोरे पहनने की आवश्यकता महसूस हो तो उन्हें इसे इस प्रकार पहनना चाहिए कि वह कपड़ों के अंदर छिपा रहे और गर्दन के आसपास दिखाई न दे। यदि संभव हो तो उन्हें अपना सिर भी ढकना चाहिए। संक्षेप में, उन्हें हर संभव उपाय करना चाहिए जो भिक्षुओं के रूप में सामने न आए। बांग्लादेश में चिन्मय दास प्रभु समेत कई पुजारियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। राधारमण दास ने ये भी दावा किया कि चिन्मय दास के वकील रमण रॉय को इतना पीटा गया कि वह आईसीयू में जिंदगी मौत की जंग लड़ रहे हैं। एक बंगाली समाचार चैनल से बात करते हुए, राधारमण दास ने आगे कहा कि वकील रॉय पर यह क्रूर हमला चिन्मय कृष्ण प्रभु की उनकी कानूनी रक्षा का प्रत्यक्ष परिणाम है। यह बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करने वालों के सामने बढ़ते खतरे को दर्शाता है। वहीं इस मामले पर अब भाजपा नेता दिलीप घोष का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश मुद्दे पर टीएमसी क्या कर रही है? जब इजराइल गाजा पर बमबारी करता है, तो वे चिंतित हो जाते हैं और जब पड़ोसी देश बांग्लादेश में अत्याचार हो रहे होते हैं, तो वे चुप रहते हैं। इस मुद्दे का राजनीतिकरण कौन कर रहा है? यदि उनमें साहस है तो वे विरोध करें। वे इसे केंद्र पर क्यों छोड़ रहे हैं? सोमवार को, इस्कॉन के सदस्यों ने अल्बर्ट रोड पर राधा गोविंदा मंदिर में एक विशेष प्रार्थना की, जिसमें चिन्मय कृष्ण दास की मंगलवार को चटोग्राम अदालत में पेशी से एक दिन पहले उनकी रिहाई के लिए मंत्रोच्चार किया गया।

संत चिन्मय कृष्ण ...

यह जानकारी मिली है। सूत्रों ने चटगांव मेट्रोपॉलिटन पुलिस के एडीसी (अभियोजन) मोफिजुर रहमान के हवाले से बताया कि मंगलवार को जमानत याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई के बाद न्यायाधीश ने अगली सुनवाई के लिए दो जनवरी की तारीख तय की। उसने बताया कि यह एक महीने बाद ही पता चल सकेगा कि दास को उनके खिलाफ दर्ज राजद्रोह के मामले में जमानत मिलेगी या नहीं। रिपोर्ट में कहा गया है कि उनकी जमानत याचिका पर मंगलवार को चटगांव मेट्रोपॉलिटन सत्र के न्यायाधीश मोहम्मद सैफुल इस्लाम की अदालत में सुनवाई होनी थी, लेकिन चिन्मय की ओर से कोई वकील पेश नहीं हुआ। जमानत याचिका पर सुनवाई के मद्देनजर चटगांव अदालत परिसर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी और विभिन्न बलों के सुरक्षा अधिकारियों को बड़ी संख्या में तैनात किया गया था। दास को सुनवाई के लिए अदालत नहीं लाया गया था। चटगांव बार एसोसिएशन के एक नेता और अन्य वकीलों को अदालत परिसर में विरोध मार्च निकालते देखा गया। बांग्लादेश सम्मिलित सनातनी जागरण जोत के प्रवक्ता दास को 25 नवंबर को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। चटगांव की एक अदालत ने 26 नवंबर को उन्हें जमानत देने से इनकार करते हुए जेल भेज दिया था जिसके बाद उनके समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन किया था। उनकी गिरफ्तारी के बाद बांग्लादेश के दक्षिण-पूर्वी बंदरगाह शहर चटगांव में भड़की हिंसा में एक वकील की मौत हो गई थी। दास को जमानत न मिलने के बाद उनके वकीलों ने तुरंत एक पुनरीक्षण याचिका दायर की थी, जिसमें दोबारा सुनवाई की मांग की गई थी लेकिन उस दिन कोई सुनवाई नहीं हुई। अगस्त में तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे और मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के सत्ता में आने के बाद से भारत और बांग्लादेश के संबंधों में तनाव व्याप्त है।

अब राज्य में बांग्लादेशियों ...

महासचिव सैकत बंद्योपाध्याय ने कहा कि यह निर्णय सोमवार को हुई एक आपातकालीन बैठक में लिया गया। उन्होंने कहा कि हम एक धर्मनिरपेक्ष देश हैं और सभी धर्मों का सम्मान करते हैं। हमारे राष्ट्रीय ध्वज का अपमान किया गया है और अल्पसंख्यकों को बांग्लादेश में कट्टरपंथियों के एक वर्ग द्वारा उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। पहले भी ऐसी घटनाएं होती थीं, लेकिन अब यह सीमा पार कर गई है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में मौजूदा स्थिति वास्तव में चिंताजनक है। हम उन लोगों की सेवा करते हैं जो विभिन्न उद्देश्यों से त्रिपुरा आ रहे हैं। हम बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ किए जा रहे व्यवहार की निंदा करते हैं। इससे पहले, मल्टी-स्पेशलिटी निजी अस्पताल आईएलएस अस्पताल ने पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में घोषणा की थी कि वह बांग्लादेश के किसी भी मरीज का इलाज नहीं करेगा। अगरतला में सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने बांगलादेशी सहायक उच्चायोग के पास रैली निकाली, जिसमें 50 से अधिक प्रदर्शनकारी परिसर में घुस गए। इस घटनाक्रम ने अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच चिंता का माहौल बना दिया। वहीं, भारत के विदेश मंत्रालय (एमईए) ने इस उल्लंघन की निंदा की है। एमईए ने यह भी स्पष्ट किया कि सभी कूटनीतिक और कंसुलर संपत्तियों की सुरक्षा हमेशा सुनिश्चत की जानी चाहिए और बांगलादेश के मिशनों की सुरक्षा को मजबूत किया जाएगा।

बांग्लादेश में भारतीय...

आरोप लगाया गया। सरकारी समाचार एजेंसी बांग्लादेश संगबाद संस्था (बीएसएस) ने कहा कि भारतीय दूत शाम 4 बजे विदेश मंत्रालय में दाखिल हुए। भारतीय उच्चायुक्त को कार्यवाहक विदेश सचिव रियाज हमीदुल्लाह ने तलब किया। बता दें कि 5 अगस्त को तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत आने के बाद से दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। पिछले हफ्ते हिंदू भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद यह तनाव और बढ़ गया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यहां बताया कि सुरक्षा कारणों से अगरतला में बांग्लादेश सहायक उच्चायोग में सभी वाणिज्य दूतावास सेवाएं अगले आदेश तक निलंबित रहेंगी। यह घोषणा पड़ोसी देश में हिंदू भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदर्शन कर रहे लोगों के एक समूह द्वारा बांग्लादेश मिशन के परिसर में घुसने के एक दिन बाद की गई। बांग्लादेश मिशन के प्रथम सचिव एमडी अल-अमीन ने कहा कि सुरक्षा स्थिति को देखते हुए अगरतला स्थित बांग्लादेश सहायक उच्चायोग में सभी वीजा और काउंसलर सेवाएं अगले आदेश तक निलंबित रहेंगी। यह तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

सीएम ने सिंधिया ...

प्रेरणा देगा, मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री ने आगामी कार्यक्रम और असम में चल रही विकास परियोजनाओं से संबंधित संभावनाओं के बारे में विस्तार से चर्चा की। बाद में माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने लिखा कि आज सुबह, मुझे केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को फरवरी 2025 में गुवाहाटी में आयोजित होने वाले एडवांटेज असम शिखर सम्मेलन में आमंत्रित करने का सौभाग्य मिला। हमने डोनर मंत्रालय द्वारा संचालित आगामी अष्टलक्ष्मी महोत्सव और राज्य में चल रही विकास परियोजनाओं से संबंधित अवसरों के बारे में भी चर्चा की।

मुख्यमंत्री हिमंत ने ...

बैठक में गुवाहाटी रिंग रोड समेत चल रही राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर केंद्रीय मंत्री ने लिखा कि आज दिल्ली में असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ गुवाहाटी रिंग रोड समेत चल रही राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं पर चर्चा की। राज्य में प्राथमिकता वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को गति देने में गडकरी के अटूट समर्थन को स्वीकार करते हुए, मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने भी एक्स पर लिखा कि यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के साथ एक बेहतरीन बैठक संपन्न हुई। मैं असम में प्राथमिकता वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को गति देने और उन्हें समय पर पूरा करने में मंत्रालय के अटूट समर्थन से वास्तव में प्रभावित हूं। बैठक में लिए गए प्रमुख निर्णयों पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. शर्मा ने पोस्ट किया कि असम की तीन प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं - गुवाहाटी रिंग रोड, काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर, गहपुर और नुमलीगढ़ के बीच अंडरवाटर टनल के निर्माण की समय पर शुरुआत, राष्ट्रीय राजमार्ग के जोरहाट-डिब्रूगढ़ खंड पर हमारी पिछली प्रतिक्रिया के बाद त्वरित प्रगति तथा बाइहाटा चारिआली से मिशन चरियाली राजमार्ग को डबल लेन करने की समीक्षा की गई। उल्लेखनीय है कि 22 अक्तूबर को राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित पिछली समीक्षा बैठक में कई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं पर चर्चा हुई थी, जिनमें 121 किलोमीटर लंबी गुवाहाटी रिंग रोड, काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर, जोरहाट से डिब्रूगढ़ तक चार लेन का राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 और ब्रह्मपुत्र पर कमलाबाड़ी और निमातिघाट को जोड़ने वाला माजुली पुल शामिल है। माजुली और जोरहाट को जोड़ने वाले पुल के निर्माण के संबंध में सभी हितधारकों के साथ 2 अक्तूबर को सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में एक बैठक हुई। काम की धीमी प्रगति से संबंधित सभी प्रासंगिक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। यह निर्णय लिया गया कि मौजूदा ठेकेदार को बदल दिया जाएगा और नए ठेकेदार की पहचान करने की प्रक्रिया प्राथमिकता के आधार पर शुरू होगी और तय समयसीमा पूरी न होने पर निवर्तमान ठेकेदार की प्रदर्शन गारंटी जब्त कर ली जाएगी। माजुली पुल परियोजना को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए गडकरी द्वारा लिए गए निर्णायक निर्णयों को स्वीकार करते हुए, मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने एक्स पर लिखा कि इस मामले का संज्ञान लेने के लिए मंत्रालय का आभार। हम किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हैं और आशा करते हैं कि इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए समय-सीमा जल्द से जल्द पूरी हो जाएगी।

मणिपुर में लापता ...

लापता लैशराम कमलबाबू सिंह का पता लगाने के लिए मणिपुर पुलिस की तरफ से भारतीय सेना की सहायता से बड़े पैमाने पर संयुक्त तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। इसमें कहा गया है कि भारतीय सेना ने 2000 से अधिक सैनिकों, हेलीकॉप्टरों, ड्रोन और सेना के ट्रैकर कुत्तों का इस्तेमाल करके उसे खोजने के लिए सभी तरह की सहायता और संसाधन मुहैया कराए हैं। इसके साथ ही तकनीकी खुफिया जानकारी का उपयोग करके आगे की जांच की जा रही है। इस बीच, लैशराम कमलबाबू सिंह के लापता होने के जवाब में गठित संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) ने सैन्य स्टेशन से लगभग 2.5 किमी दूर कांटो सबल में अपना धरना जारी रखा, जहां सड़क पर बैरिकेडिंग भी की गई है। लैशराम कमलबाबू सिंह की पत्नी अकोईजम बेलारानी भी इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुईं। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि लैशराम कमलबाबू सिंह को आतंकवादियों ने अगवा कर लिया है। कांगपोकपी जिले में मौजूद सैन्य शिविर राज्य की राजधानी इंफाल से लगभग 16 किमी दूर है और पहाड़ियों से घिरा हुआ है जहां कुकी लोग रहते हैं। पिछले साल मई में जातीय हिंसा शुरू होने के बाद लीमाखोंग के पास रहने वाले मैतेई लोग भाग गए थे, जिसमें अब तक 250 से ज़्यादा लोगों की जान जा चुकी है।

नए आपराधिक कानून ...

संविधान और कानूनी विशेषज्ञों की कड़ी मेहनत के बाद देश की नई न्याय संहिता को तैयार किया गया है। मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि सभी के सहयोग से बनी भारत की यह न्याय संहिता भारत की न्यायिक यात्रा में मील का पत्थर साबित होगी। मोदी ने कहा कि स्वतंत्रता-पूर्व काल में अंग्रेजों द्वारा बनाए गए आपराधिक कानूनों को उत्पीड़न और शोषण के साधन के रूप में देखा जाता था। 1857 में देश के पहले बड़े स्वतंत्रता संग्राम के परिणामस्वरूप 1860 में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) लागू की गई थी। कुछ वर्षों बाद भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू किया गया और फिर सीआरपीसी का पहला ढांचा अस्तित्व में आया। इन कानूनों का विचार और उद्देश्य भारतीयों को दंडित करना और उन्हें गुलाम बनाना था। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि स्वतंत्रता के दशकों बाद भी हमारे कानून उसी दंड संहिता और दंडात्मक मानसिकता के इर्द-गिर्द घूमते रहे।

भाजपा का होगा...

एकनाथ शिंदे और अजित पवार उपमुख्यमंत्री बनेंगे। शपथ ग्रहण के बाद महायुति गठबंधन के तीन सहयोगियों-भाजपा, शिवसेना और राकांपा के बीच कैबिनेट पदों और विभागों का आवंटन होने की उम्मीद है। मिल रही जानकारी के मुताबिक गृह और राजस्व जैसे प्रमुख विभागों सहित 21-22 मंत्रालय भाजपा के पास रहने की संभावना है। पार्टी को अध्यक्ष और विधान परिषद सभापति पद भी बरकरार रहने की उम्मीद है। शिवसेना ने 16 मंत्रालयों पर दावा किया है लेकिन शहरी विकास सहित 12 के लिए समझौता होने की उम्मीद है। पार्टी विधान परिषद के सभापति पद के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही है, जबकि उपसभापति पद पर पहले से ही उसका कब्जा है। एनसीपी को वित्त और उपसभापति समेत 9-10 मंत्रालय मिलने की संभावना है। 5 दिसंबर को होने वाले महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह से पहले तैयारियों का जायजा लेने के लिए भाजपा, शिवसेना और एनसीपी के महायुति नेता मुंबई के आजाद मैदान में पहुंचे। शपथ ग्रहण समारोह में एनडीए के वरिष्ठ नेताओं और कई मुख्यमंत्रियों के शामिल होने की संभावना है। भाजपा नेता गिरीश महाजन ने बताया कि 5 दिसंबर को यहां एक अच्छा कार्यक्रम होने जा रहा है। कल भाजपा विधानमंडल सदस्यों की बैठक होने जा रही है, जिसमें सीएम कौन होगा, इसका फैसला होगा। मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होने वाले हैं।

ट्रंप की टैरिफ धमकी ...

है, और भविष्य में भी पारस्परिक लाभकारी रहेगा। जयशंकर ने ट्रंप की टिप्पणी पर कोई आक्रामक बयान न देकर भारत-अमेरिका के बढ़ते संबंधों को रेखांकित किया। उन्होंने भरोसा जताया कि आर्थिक क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग जारी रहेगा और यह साझेदारी वैश्विक स्थिरता के लिए लाभकारी साबित होगी। जयशंकर ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच संबंधों की बुनियाद इतनी मजबूत है कि वे संभावित व्यापारिक चुनौतियों का भी समाधान निकाल सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच किसी भी सहयोग को संतुलित तरीके से संभाला जाएगा। बता दें कि एक दिन पहले ट्रंप ने सोशल मीडिया साइट ट्रूथ सोशल पर चेतावनी देते हुए कहा कि अगर ब्रिक्स देश डॉलर को हटाकर अपनी मुद्रा बनाने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें 100 प्रतिशत टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। उन्हें अमेरिकी बाजारों तक पहुंच नहीं दी जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि ब्रिक्स को यह समझना होगा कि डॉलर को चुनौती देने का मतलब है अमेरिका को अलविदा कहना। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार किसी भी स्थिति में अमेरिकी डॉलर की जगह किसी अन्य मुद्रा को स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने ब्रिक्स को *अमेरिका की सहिष्णुता की परीक्षा न लेने* की सलाह दी।

भारत की टैक्स ...

बिरला संसद भवन परिसर में आईआरएस (सीमा शुल्क और अप्रत्यक्ष कर) के 73 अधिकारी प्रशिक्षुओं (ओटी) के लिए संसदीय प्रक्रियाओं और कार्यपद्धतियों में प्रशंसा पाठ्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस समूह में 74वें और 75वें बैच के अधिकारी और रॉयल भूटान सीमा शुल्क के 5 अधिकारी प्रशिक्षु शामिल थे। इस पाठ्यक्रम का आयोजन संसदीय लोकतंत्र अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड), लोकसभा सचिवालय द्वारा किया गया था। बिरला ने युवा प्रशिक्षु अधिकारियों को बताया कि जहां 1947 में बजट 175 करोड़ रुपए था, वहीं आज हमारा बजट 40 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। उन्होंने कहा कि यह उनके जैसे अधिकारियों के प्रयासों और योगदान का परिणाम है। इस बात पर जोर देते हुए कि हमारे संविधान और साझे लोकतांत्रिक मूल्यों से भारत की प्रगति का मार्ग प्रशस्त हुआ है, बिरला ने कहा कि हमारे संस्थापकों ने संसदीय लोकतंत्र का एक ऐसा मॉडल स्थापित किया है जिसने दुनिया को दिखाया है कि विभिन्न भाषाओं, धर्मों और संस्कृतियों के लोगों वाली विविध आबादी को कैसे एकजुट किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि देश की लोकतांत्रिक यात्रा के 75 वर्षों में भारत की संसद ने न केवल संविधान में संशोधन किए हैं, बल्कि समाज के हर वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाएं भी बनाई हैं।

एससी ने छात्रा से दुष्कर्म ...

पीठ ने कहा कि यदि उपलब्ध सुविधाओं में कोई कमी है, तो डीयूएसआईबी यह भी बताएगी कि वह ऐसी स्थिति से कैसे निपटेगी। शीर्ष अदालत शहरी क्षेत्रों में बेघर लोगों के आश्रय के अधिकार से संबंधित मामले की सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से पेश हुए वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि दिल्ली में आश्रय गृहों की कुल क्षमता केवल 17,000 लोगों की है और डीयूएसआईबी ने नौ आश्रय गृहों को ध्वस्त कर दिया है। भूषण ने कहा कि ध्वस्त किए गए इन आश्रय गृहों में लगभग 450 लोग रह रहे थे, जबकि इनकी क्षमता केवल 286 थी। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 17 दिसंबर को तय की। सुनवाई के दौरान भूषण ने दावा किया कि डीयूएसआईबी के एक वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ रिश्वतखोरी का आरोप है और इस मामले में एफआईआर भी दर्ज की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सशस्त्र बल न्यायाधिकरण के आदेश के खिलाफ अपील दायर करने के लिए केंद्र पर 50,000 रुपए का जुर्माना लगाया। केंद्र ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी गश्त के दौरान शहीद हुए एक सैनिक की विधवा को उदार पेंशन देने फैसले के खिलाफ अपील दायर की थी।

अगर बंधक नहीं ...

बंधक मौजूद हैं। अनुमान है कि इनमें से आधे बंधक अभी जीवित हैं। ट्रंप ने अपने बयान में कहा कि अगर 20 जनवरी तक इन बंधकों को रिहा नहीं किया गया, तो हम इस मुद्दे को सख्त तरीके से हल करेंगे। हम उन लोगों पर कड़ी कार्रवाई करेंगे जो मानवता के खिलाफ यह अत्याचार कर रहे हैं। ट्रंप की यह चेतावनी साफ तौर पर युद्ध की स्थिति को और अधिक गंभीर बना सकती है। हमास ने बंधकों की रिहाई के बदले युद्धविराम और गाजा से इजरायल की पूर्ण वापसी की शर्त रखी है।

त्रिपुरा पुलिस ने ...

की गिरफ्तारी के खिलाफ किया जा रहा है। विरोध कार्यक्रम अगरतला में रवींद्र शाता बार्शिकी भवन के सामने शुरू हुआ। त्रिपुरा पुलिस ने कहा कि आज एक समूह ने बांग्लादेश चलो अभियान नामक विरोध रैली का आयोजन किया है। उन्होंने इसके लिए अनुमति मांगी थी, लेकिन अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि इसके लिए अगरतला-अखौरा एकीकृत चेक पोस्ट के पास अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है और सुरक्षा को मजबूत करने के लिए बैरिकेड्स लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश और अगरतला के बीच यात्रा करने वाले यात्री बिना किसी परेशानी के आईसीपी का उपयोग कर रहे हैं। भारत सरकार ने सीमा पार व्यापार और यात्री आवागमन को सुविधाजनक बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एकीकृत चेक पोस्ट स्थापित किए हैं।

दिव्यांगों को पीछे छोड़कर समाज कभी आगे नहीं बढ़ सकता : मंत्री हजारिका

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री पीयूष हजारिका ने आज गुवाहाटी में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर आयोजित दो अलग-अलग कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। सबसे पहले, मंत्री हजारिका भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के तहत गुवाहाटी में दिव्यांग व्यक्तियों के कौशल विकास, पुनर्वास एवं सशक्तिकरण के लिए संयुक्त क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी) द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि थे। उन्होंने समारोह में विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों के लिए भारत सरकार द्वारा प्रदान की गई विभिन्न वस्तुओं का आधिकारिक रूप से वितरण किया। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने देश के दिव्यांग व्यक्तियों के लिए कई कदम उठाए हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने दोपहर में गुवाहाटी के कलाक्षेत्र में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा

आयोजित अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के उद्घाटन समारोह में भाग लिया। मंत्री ने कहा कि वे दिव्यांग व्यक्तियों द्वारा बनाए गए उत्पादों की प्रदर्शनी से प्रभावित हुए। मंत्री ने राज्य सरकार की ओर से विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करने वाले कई दिव्यांग बच्चों और व्यक्तियों को प्रमाण पत्र और विशेष पुरस्कार भी प्रदान किए। मंत्री ने विभाग की ओर से दिव्यांगों के लिए विभिन्न उपकरण भी प्रदान किए। समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री हजारिका ने कहा कि दिव्यांग व्यक्ति हमारे समाज का अभिन्न अंग हैं और उन्हें पीछे छोड़कर हम अपने समाज को आगे नहीं बढ़ा सकते। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया की लगभग 15 प्रतिशत आबादी किसी न किसी तरह की शारीरिक दिव्यांगता का सामना करती है, लेकिन ये दिव्यांगताएं उन्हें समाज में योगदान देने से नहीं रोक पाई हैं। भौतिक विज्ञानी स्टीफन हॉकिंग और एवरेस्ट पर्वतारोही अरुण सिन्हा का उदाहरण देते हुए, जिन्होंने शारीरिक दिव्यांगता पर काबू पाया, मंत्री ने कहा कि दिव्यांग लोगों ने कई क्षेत्रों में अन्य सामान्य लोगों की तुलना में समाज में अधिक योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगों की मानसिक दृढ़ता हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि भारत के दिव्यांग खिलाड़ियों ने पिछले पैरालिंपिक में सात स्वर्ण पदक सहित कुल 29 पदक जीते थे। मंत्री ने कहा कि असम सरकार मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में दिव्यांगों के लिए ईमानदारी से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय में बड़ी संख्या में दिव्यांगों को सरकारी नौकरियों में भर्ती किया गया है। राज्य सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के तहत वर्तमान में राज्य में दिव्यांग छात्रों के लिए छह स्कूलें हैं। मंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार मानसिक रूप से दिव्यांगों के लिए आश्रय सहित कई तरीकों से दिव्यांगों की मदद कर रही है। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की अरुणोदय योजना के तहत राज्य के प्रत्येक दिव्यांग व्यक्ति को 1, 250 रुपए प्रति माह मिल रहे हैं। मंत्री ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में राज्य सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के तत्वावधान में दिव्यांग व्यक्तियों के कौशल विकास के लिए तीन करोड़ रुपए जारी किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने की जेपी नड्डा से मुलाकात

एडवांटेज असम समिट में किया आमंत्रित

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की और उन्हें एडवांटेज असम समिट 2025 में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। डॉ. शर्मा ने नड्डा को पीएमजेएवाई, आयुष्मान आरोग्य मंदिर और अन्य केंद्रीय स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं के कार्यान्वयन पर राज्य द्वारा की गई महत्वपूर्ण प्रगति के बारे में भी जानकारी दी। एक्स माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स पर मुख्यमंत्री ने पोस्ट किया कि मुझे आज नई दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मिलने का सौभाग्य मिला। असम के लोगों की ओर से, मैंने उन्हें एडवांटेज असम समिट 2025 में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। मैंने इस अवसर का उपयोग उन्हें स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को समर्थन देने के लिए पीएमजेएवाई, आयुष्मान आरोग्य मंदिर और अन्य केंद्रीय योजनाओं के कार्यान्वयन पर असम द्वारा की जा रही शानदार प्रगति के बारे में जानकारी देने के लिए भी किया।

राज्यपाल ने उच्च शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों के साथ बैठक की

संस्थानों से विकसित भारत युवा नेता तैयार करने को कहा

गुवाहाटी (हिंस)। विकसित भारत युवा नेता संवाद यानी नए सिरे से परिकल्पित राष्ट्रीय युवा महोत्सव, 2025 के मद्देनजर राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने मंगलवार को राजभवन में राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों के साथ हाइब्रिड मोड में बैठक की। संस्थानों के प्रमुखों को विकसित भारत युवा नेता संवाद की जानकारी देते हुए राज्यपाल ने संवाद में छात्रों की अधिकतम् भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा और इस संबंध में अब तक की गई तैयारियों पर भी ध्यान दिया। आचार्य ने कहा कि इस आयोजन का एक महत्वपूर्ण आकर्षण विकसित भारत चैलेंज है, जो छात्रों को देश और विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे विकास के बारे में अपने ज्ञान को प्रदर्शित करने का पर्याप्त अवसर प्रदान करेगा। इसलिए उन्होंने संस्थानों

के प्रमुखों से अपने छात्रों को माई भारत पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण करने के लिए प्रोत्साहित करने को कहा। उन्होंने यह भी कहा कि पोर्टल पर पंजीकरण के माध्यम से छात्र क्विज, निबंध लेखन खंड और विजन डेक के विकास से युक्त विकसित भारत चैलेंज में भाग ले सकते हैं। बैठक के दौरान राज्यपाल ने यह भी कहा कि शैक्षणिक संस्थानों के नेताओं के रूप में, वे इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। संस्थान वह कुर्सियां हैं, जहां विचार आकार लेते हैं और नेताओं का पोषण होता है। इसलिए, उन्होंने सभी प्रमुखों से छात्रों को माई भारत पोर्टल पर पंजीकरण करने और इसके द्वारा प्रदान किए जाने वाले असंख्य अवसरों का पता लगाने के लिए प्रेरित करने का अनुरोध किया। राज्यपाल ने उन्हें विकसित भारत युवा नेता संवाद के लाभों को उजागर करने के लिए जागरूकता अभियान, कार्यशालाएं और अभिविन्यास सत्र आयोजित करने के लिए भी कहा। राज्यपाल ने यह भी कहा कि जिन संस्थानों में पंजीकरण के साथ-साथ भागीदारी भी अधिक होगी, उन्हें राजभवन में मान्यता और पुरस्कार दिया जाएगा।

गुवाहाटी में साइबर अपराधी गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की हातीगांव पुलिस ने साइबर अपराध में शामिल एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के भेटापाड़ा इलाके में चलाए गए एक अभियान के दौरान उक्त शातिर साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर जालुकबारी थाना क्षेत्र के तेतेलिया इलाके में भी अभियान चलाया गया। गिरफ्तार अपराधी की पहचान अजमल हुसैन (41) के रूप में की गई है। वह बरपेटा जिले का रहने वाला है। गिरफ्तार आरोपी के पास से पुलिस ने विभिन्न बैंकों की 12 एटीएम कार्ड, विभिन्न बैंकों की छह पासबुक, दो सिम कार्ड और 10 मोबाइल हैंडसेट जब्त किया है । पुलिस इस संबंध में साइबर अपराध की धाराओं के तहत एक मामला दर्ज कर गिरफ्तार आरोपी से सघन पूछताछ कर रही है।

रंगिया : अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

रंगिया (विभास)। विश्वभर के अन्य स्थानों के साथ रंगिया में भी मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस मनाया गया। इस मौके पर चैरिटेबल ट्रस्ट द हंस फाउंडेशन ने रंगिया महाविद्यालय के सहयोग से महाविद्यालय के प्रेक्षागृह में एक मनोरंजक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के अंतर्गत ट्रस्ट द्वारा सेमिनार और सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि आयोजित किए गए। सेमिनार में द हंस फाउंडेशन की सलाहकार प्रियंका गोस्वामी, प्रोजेक्ट मैनेजर मौसमी बोरा, रंगिया महाविद्यालय के उपाध्यक्ष डॉ. हितेंद्र शर्मा, खंड विकास अधिकारी बिपुल डेका, एलोरा विज्ञान मंच के अध्यक्ष मिराजुल इस्लाम सहित संगीता अधिकारी और उपस्थित कई संसाधन व्यक्तियों ने दिव्यागजनों के अधिकार और अन्य विषयों पर वक्तव्य प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के बीच पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कार प्रदान किए गए। उल्लेखनीय है कि सन 2009 से प्रारंभ हुई यह ट्रस्ट देश के विभिन्न राज्यों में दिव्यांग लोगों के लिए काम करने के अलावा यह रंगिया में स्वैच्छिक संगठन आशादीप के सहयोग से देश के विभिन्न राज्यों में विकलांग लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर काम कर रहा है।

सिविल अस्पताल के मूल्यांकन के लिए रंगिया पहुंचे अखिलेश कुमार सिंह

रंगिया (विभास)। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी तथा असम के आईजीपी (टी एंड एपी) व आईजीपी संचार अखिलेश कुमार सिंह मंगलवार को रंगिया महकमा सिविल अस्पताल में उपस्थित हुए। जिन्होंने स्वास्थ्य सेवा उत्सव 3.0 के हिस्से के रूप में रंगिया महकमा सिविल अस्पताल का मूल्यांकन किया, यह कार्यक्रम असम सरकार द्वारा राज्य में सभी सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों का आकलन करने की एक पहल है। इस मौके पर उनके साथ असम प्रशासनिक सेवा के अधिकारी तथा रंगिया सम -जिला के सहायक आयुक्त वाहीदुज जमान, रंगिया पीएचई की जेई चंदस्मिता डेका माइक्रोबायोलॉजी पीजीटी द्वितीय वर्ष के प्रांजल दोले भी उपस्थित

रहे। अपने मूल्यांकन के दौरान, उन्होंने रोगियों के साथ बातचीत की, उनसे पूछा कि वे प्रदान की गई सेवाओं से कितने संतुष्ट हैं, और क्या वे सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं से अवगत हैं। मौके पर रंगिया महकमा सिविल अस्पताल के उप अधीक्षक डा॰ दिलीप कुमार वैश्य ने उनका जोरदार स्वागत करते उन्हें सहयोगिता प्रदान की। मौके पर साइकिस्ट व सामाजिक कार्यकर्ता जेहीरुल इस्लाम, रंगिया महकमा सिविल अस्पताल के बीएएम टिकेंद्रजीत डेका, बीपीसीएच के बीएएम शांतनु कुमार डेका सहित अस्पताल के सभी अधिकारी और कर्मचारी सहित सभी चिकित्सक और नर्स मौजूद रहे।

चिरांग : स्वास्थ्य सेवा उत्सव : तीसरा दौर आज से शुरू

जिसका उद्देश्य पूरे क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा मानकों को बेहतर बनाना है

विकसित भारत समाचार

चिरांग। स्वास्थ्य सेवा उत्सव (एसएसयू) का बहुप्रतीक्षित तीसरा दौर आज से शुरू हो गया है, जो पिछले दौर की सफलता के बाद शुरू हुआ है। 3 से 5 दिसंबर 2024 तक चलने वाला एसएसयू-3.0 पूरे क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं को और बेहतर बनाने पर केंद्रित है। पिछले दौर की कार्यप्रणाली पर आधारित गतिविधियों में आंतरिक और बाह्य दोनों तरह के आकलन शामिल थे। साथ ही वरिष्ठ जिला अधिकारियों और प्रसिद्ध मेडिकल कॉलेजों के मेडिकल फैकल्टी द्वारा मूल्यांकन भी शामिल था। इसका लक्ष्य व्यापक स्वास्थ्य सेवा वितरण सुनिश्चित करना और निकट भविष्य में भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य मानकों (आईपीएचएस) को पूरा करने के लिए सुधार के क्षेत्रों की पहचान करना था। इस दौर में पांच एससी-आयुष्मान आरोग्य मंदिर केंद्रों के साथ-साथ जिला अस्पताल (डीएच), उप-मंडल सिविल अस्पताल (एसडीसीएच), सामुदायिक स्वास्थ्य

केंद्र (सीएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) शामिल हैं, जिनमें से सभी का कठोर मूल्यांकन किया जा रहा है। प्रतिभागियों को आज इन स्वास्थ्य सुविधाओं के भीतर गतिविधियों का पता लगाने, चिकित्सा कर्मचारियों और रोगियों दोनों के साथ जुड़ने और ध्यान देने की आवश्यकता वाले सिस्टम में किसी भी अंतर की पहचान करने का अनूठा अवसर मिला। यह कार्यक्रम स्थानीय समुदायों के लिए सक्रिय रूप से जुड़ने, प्रतिक्रिया साझा करने और स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता बढ़ाने के प्रयासों का समर्थन करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। आज प्रमुख स्वास्थ्य सुविधाओं में बाहरी मूल्यांकन किए गए, जिनमें बिजनी उप-मंडल सिविल अस्पताल (एसडीसीएच), बसुगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पनबारी उप-स्वास्थ्य केंद्र, गरुभासा राज्य औषधालय, रौमारी राज्य औषधालय, जेएसबी सिविल अस्पताल, उलुबारी उप-स्वास्थ्य केंद्र, रुनिखाता राज्य औषधालय, काशीकोत्रा मॉडल अस्पताल, औगुरी मॉडल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और रंचैधाम राज्य औषधालय शामिल हैं। ये मूल्यांकन स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच में सुधार लाने और सभी नागरिकों के लिए उच्च-गुणवत्ता वाली सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए चल रहे प्रयासों का हिस्सा हैं। मूल्यांकन बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने पर केंद्रित है। स्वास्थ्य सेवा उत्सव पहले दौर (6-8 अप्रैल, 2023) और दूसरे दौर (20-22 नवंबर, 2023) की उपलब्धियों पर आधारित है, जिनमें से दोनों ने स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे में कमियों को दूर करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। यह पहल सुधारों को आगे बढ़ाती है, यह सुनिश्चित करती है कि सभी स्तरों पर स्वास्थ्य सुविधाएं सेवा मानकों के अनुरूप हों और सभी के लिए सुलभ, उच्च-गुणवत्ता वाली देखभाल प्रदान करें।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरुद्ध कई संगठनों ने राज्यभर में किया विरोध-प्रदर्शन

गुवाहाटी/धुबड़ी/विश्वनाथ/रंगिया/होजाई /होजाई (हिंस/विभास/निसं)। प्रदेश कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार की गलत विदेश नीति के कारण विदेशों में रह रहे भारतीय मूल के लोगों और हिंदू समुदाय के लोगों में आज असुरक्षा की भावना घर कर गई है। असम प्रदेश कांग्रेस (एपीसीसी) ने आज भाजपा सरकार की कथित गलत विदेश नीति की आलोचना करते हुए कामरूप (महानगर) जिला आयुक्त कार्यालय का घेराव किया। आज सैकड़ों कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हेंगराबारी स्थित कामरूप (महानगर) आयुक्त कार्यालय के सामने विदेश मंत्री एस जयशंकर की प्रतिकृति जलाई और भाजपा सरकार *हाय हाय* के नारे लगाए। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने *बांग्लादेश में हिंदू भाइयों और बहनों को सुरक्षा दो, बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार न हो* और *पड़ोसी देशों में हिंदुओं की रक्षा करो* जैसे नारे लगाते हुए जिला आयुक्त कार्यालय की ओर मार्च किया। महिला कांग्रेस अध्यक्ष मीरा बरठाकुर, बिपुल गोगोई, रमन्ना बरुवा, राजेश जोशी, गोपाल शर्मा, बालिका पेगू, रूपा देउरी, बेदब्रत बोरा और अन्य के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने काफी देर तक भाजपा की कथित सांप्रदायिक राजनीति के खिलाफ नारे लगाए। कार्यक्रम में एपीसीसी उपाध्यक्ष गुणकांत गोगोई, महासचिव उदयभान दास, सचिव उमेश डेका, सेवा दल के अध्यक्ष दीप बायन और अन्य भी शामिल हुए। **धुबड़ी (हिंस)।** बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध धुबड़ी स्थित राजा प्रभात चंद्र बरुवा मैदान में लोक जागरण मंच द्वारा मंगलवार को एक धरना कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों को रोकने की मांग की। हाथों में प्ले कार्ड लेकर सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने हिंसा रोकने की मांग की। इस कार्यक्रम में अनेक प्रमुख नेताओं और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। जानकारी के अनुसार लोक जागरण मंच के डॉ. दीपेंद्र नाथ अधिकारी और बबलू कुमार रॉय ने इस विरोध-प्रदर्शन के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सत्र महासभा के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र नाथ प्रधानी, विश्व हिंदू परिषद की धुबड़ी जिला इकाई के अध्यक्ष मोनिंद्र नाथ रॉय, धुबड़ी चैतन्य गौड़ीय मठ के अध्यक्ष बिष्णु महाराज आदि ने कार्यक्रम को संबोधित किया। पतंजलि योग समिति और आर्ट ऑफ लिविंग के प्रतिनिधि, इस्कॉन के श्रद्धालु मौजूद थे। सभी धार्मिक नेताओं ने अधिकारियों से इस मुद्दे को तत्काल हल करने का आग्रह किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हुए डॉ. अधिकारी ने बांग्लादेश में हिंदुओं के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक धार्मिक मुद्दा नहीं है। यह मानवाधिकार और न्याय का मामला है। प्रदर्शन के अंत में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रो. मोहम्मद युनुस को एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में हिंसा को समाप्त करने, अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों की रक्षा करने और सांप्रदायिक अत्याचारों के पीड़ितों के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया गया। **विश्वनाथ** से हमारे संवाददाता के अनुसार बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर अमानवीय अत्याचार और उत्पीड़न को लेकर लोक जागरण मंच विश्वनाथ जिला समिति ने विश्वनाथ चारिआलि शहर पाभोई रोड में स्थित धर्मशाला प्रांगण से आज प्रात: 11 बजे विशाल प्रतिवादी रैली निकाली। इसे लेकर आज सनातनियों में आक्रोश देखने को मिली। उक्त कार्यक्रम में सनातनी हिंदू विश्वनाथ चारिआलि नगर के राष्ट्रीय मार्ग से गुजरते हुए जिला उपायुक्त कार्यालय के परिसर में उपस्थित होकर विभिन्न नारों के बुलंद द्वारा वातावरण गर्मागर्म कर दी ।प्रदर्शन में बिश्वनाथ विधायक प्रमोद बरठाकुर, विश्वनाथ चारिआलि पौरसभा के पौरपति अमरज्योति बरठाकुर, लोक जागरण मंच के अपूर्व कुमार दास, भास्कर हजारिका, भारती भुइयां, विश्व हिंदू परिषद विश्वनाथ नगर शाखा के अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक के वरिष्ठ कार्यकर्ता छत्रर सिंह पवार, विनोद कुमार गुप्ता, दिलीप शर्मा, कई अन्य राजनीतिक दलों और संगठनों के साथ जिले के गहपुर, बिहाली, सोतिया आदि जगहों से कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। उन्होंने जिला आयुक्त के माध्यम से देश के प्रधान मंत्री और राष्ट्रपति को एक ज्ञापन भी सौंपा, जिसमें सनातनी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई। **रंगिया (निसं)।** कामरूप जिले के लोक जागरण मंच ने रंगिया में एक विशाल प्रतिवादी रैली निकाली और धरना प्रदर्शन किया। विरोध-प्रदर्शन बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार को समाप्त करने की मांग पर किया गया है। रंगिया में प्रदर्शन में सैकड़ों हिंदुओं ने भाग लिया। लोक जागरण मंच की ओर से रंगिया सोसायटी चौक पर नवनिर्मित फ्लाईओवर के नीचे से ऐतिहासिक हरदत्त-बिरदत्त भवन तक विरोध मार्च निकाला गया। मालुम हो कि हाल ही में आयोजित एक क्षेत्रीय दल के नेता ने इस संदर्भ में अपना पल्ला झाड़कर जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लिया था, जिससे रंगिया के विभिन्न धड़ो में व्यापक प्रतिक्रीया देखने मिली है। **होजाई** से हमारी संवाददाता के अनुसार बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर व मंदिरों पर हो रहे हमलों को लेकर होजाई में जोरदार विरोध प्रदर्शन। जिला मुख्यालय श्रीमंत शंकरदेव नगर स्थित आयुक्त कार्यालय के सामने विरोध-प्रदर्शन किया गया। विरोध-प्रदर्शन का आयोजन लोक जागरण मंच की जिला कमेटी की ओर से किया गया था। विरोध-प्रदर्शन में, होजाई के विधायक रामकृष्ण घोष, लामडिंग के विधायक शिबू मिश्रा और पूर्व विधायक शिलादित्य देव, हबीब मोहम्मद चौधरी, अमर ज्योति सेकया सहित कई विशिष्ट जन शामिल हुए। इस दौरान हजारों की संख्या में लोगों ने जमकर बांग्लादेश की घटना का विरोध किया। प्रदर्शनकारियों ने जिला आयुक्त के माध्यम से बांग्लादेश सरकार को एक ज्ञापन भेजा। **कार्बी आंग्लांग (हिंस)** समाचारा से मिली जानकारी के अनुसार बांग्लादेश में सनातनियों पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ डिफू में विरोध की लहर दौड़ गई है। लोक जागरण मंच की पहल पर आज डिफू में विरोध-प्रदर्शन किया गया। मंच की पहल पर बृहत्तर डिफू के सनातनी अनुयायियों का अनुसरण करते हुए विभिन्न संगठनों ने धरना कार्यक्रम में हिस्सा लिया और बांग्लादेश में चल रहे सनातनधर्मी लोगों पर हो रहे अत्याचारों को बंद करने की मांग करते हुए नारेबाजी की। जिला आयुक्त के माध्यम से बांग्लादेश सरकार को इस मांग को लेकर एक ज्ञापन भेजा गया।

संपादकीय

केजरीवाल हमले की सियासत

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर एक बार फिर किसी ने हमला किया। एक नाराज नागरिक ने पूर्व मुख्यमंत्री पर पानी फेंका, जिसे 'आप' नेताओं ने 'स्प्रिट' करार दिया। कुछ ने तेजाब जैसा ज्वलनशील माना। दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बेहद उत्तेजित, पर भ्रामक आरोप चस्पा किया कि भाजपा समर्थक व्यक्ति ने केजरीवाल को जिंदा जलाने की कोशिश की, क्योंकि हमलावर के हाथ में माचिस भी थी। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने हमले का पूरा आरोप भाजपा और केंद्र सरकार पर मढ़ दिया। यह हास्यास्पद और सवालिया है कि केंद्र सरकार एक चर्चित विपक्षी नेता की मौत पर राजनीति क्यों करेगी? क्या ऐसा साबित होने से देश भर में भाजपा के खिलाफ आम आदमी का रोष और गुस्सा नहीं भडक़ेगा? क्या 'आप' के नेता अतिशयोक्तिवाद की ही राजनीति के आदी हैं? बहरहाल केजरीवाल पर हमला कोई सामान्य घटना नहीं मानी जा सकती और न ही उसे हल्के में लिया जा सकता है। एक पूर्व मुख्यमंत्री की सुरक्षा में सेंध लगाई गई है। एक सुरक्षा-व्यवस्था की दरारें स्पष्ट हुई हैं। केजरीवाल पर काली स्याही फेंक कर भी हमला किया गया था। किसी ने उन पर जूता भी उछाला था। शायद एक विक्षुब्ध नागरिक ने उन्हें थप्पड़ मारने की भी कोशिश की थी! ये तमाम हमले 'मुख्यमंत्री केजरीवाल' पर किए गए थे। वे आरोपी कौन थे? किसी साजिश का हिस्सा थे? अथवा केजरीवाल की राजनीति से असंतुष्ट थे? इन सवालों के ठोस जवाब हमारे सामने नहीं हैं। दरअसल पहले केजरीवाल प्रधानमंत्री मोदी को गरियाया करते थे, अब उनके निशाने पर गृहमंत्री अमित शाह हैं। दिल्ली में सुरक्षा-व्यवस्था की पूरी जवाबदेही गृहमंत्री की ही है, बेशक दिल्ली 'अपराध की राजधानी' बन चुकी है। अपराध के आंकड़े खुलासा करते हैं कि औसतन 3 महिलाएं हररोज बलात्कार का शिकार होती हैं। यह तो दर्ज आंकड़ों का सच है। जो वारदात दर्ज नहीं होतीं, उनके सच की कल्पना ही की जा सकती है। राजधानी में खुलेआम और अक्सर गोलियां चलती हैं, हत्याएं की जाती हैं, कुछ हत्याएं बेहद बर्बर और राक्षसी तरीके से की गईं, फिरौती-वसूली का धंधा सरेआम चल रहा है और खासकर व्यापारियों को धमकियां दी जाती हैं। आजकल कुछ आपराधिक गिरोहों के नाम भी सुर्खियों में हैं। बहरहाल केजरीवाल पर हमले की शुरुआती जांच में पुलिस ने खुलासा किया है कि एक बोतल में करीब 500 एमएल पानी भर कर उससे हमला किया गया था। बोतल में न तो स्प्रिट थी और न ही कोई अन्य ज्वलनशील द्रव्य था। हमलावर पूर्व बस मॉर्शल था। ये सभी अपनी पक्की नौकरी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। 'आप' और पुलिस जांच में बिल्कुल विरोधाभास हैं। चूंकि अगले दो माह के दौरान दिल्ली में विधानसभा चुनाव होने हैं, लिहाजा केजरीवाल और 'आप' की टीमें पदयात्रा कर रही हैं, घर-घर जा रही हैं। केजरीवाल की राजनीति 10 साल की सत्ता के बाद दांव पर है। जो मुद्दे 2020 के चुनावों में थे और जिन कामों, बदलावों पर केजरीवाल जनादेश मांगते रहे हैं, आज 2024-25 में भी वही मुद्दे सामने हैं। लगभग मुफ्त बिजली, पानी, स्वास्थ्य, मुहल्ला क्लीनिक, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा आदि। केजरीवाल की ये रेवडियां 2015 से हिट साबित हुई हैं। कमोबेश विधानसभा चुनाव में 'आप' को एकतरफा जनादेश मिलता रहा है। अब केजरीवाल और उनकी 'आप' पर कई सवाल हैं। दरअसल अब केजरीवाल जनता की अदालत में मौजूद हैं और उन्हें आरोपों का बिंदुवार स्पष्टीकरण देना है। दिल्ली में अपराध बढ़ रहे हैं, पर उनकी सुरक्षा पुख्ता होनी चाहिए।

> दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बेहद उत्तेजित, पर भ्रामक आरोप चस्पा किया कि भाजपा समर्थक व्यक्ति ने केजरीवाल को जिंदा जलाने की कोशिश की, क्योंकि हमलावर के हाथ में माचिस भी थी। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने हमले का पूरा आरोप भाजपा और केंद्र सरकार पर मढ़ दिया। यह हास्यास्पद और सवालिया है कि केंद्र सरकार एक चर्चित विपक्षी नेता की मौत पर राजनीति क्यों करेगी? क्या ऐसा साबित होने से देश भर में भाजपा के खिलाफ आम आदमी का रोष और गुस्सा नहीं भडक़ेगा? क्या 'आप' के नेता अतिशयोक्तिवाद की ही राजनीति के आदी हैं? बहरहाल केजरीवाल पर हमला कोई सामान्य घटना नहीं मानी जा सकती और न ही उसे हल्के में लिया जा सकता है। एक पूर्व मुख्यमंत्री की सुरक्षा में सेंध लगाई गई है। एक सुरक्षा-व्यवस्था की दरारें स्पष्ट हुई हैं। केजरीवाल पर काली स्याही फेंक कर भी हमला किया गया था। किसी ने उन पर जूता भी उछाला था।

देश में 1.5 लाख प्राथमिक दुग्ध सहकारी समितियां कार्यरत हैं

भारत में सहकारिता आंदोलन को सफल होना ही होगा

प्रह्लाद सबनानी

> सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना बहुत जरूरी है। वैसे तो हमारे देश में सहकारिता आंदोलन की शुरुआत वर्ष 1904 से हुई है एवं तब से आज तक सहकारी क्षेत्र में लाखों समितियों की स्थापना हुई है। कुछ अत्यधिक सफल रही हैं, जैसे अमूल डेयरी, परंतु इस प्रकार की सफलता की कहानियां बहुत कम ही रही हैं। कहा जाता है कि देश में सहकारिता आंदोलन को जिस तरह से सफल होना चाहिए था, वैसा हुआ नहीं है। बल्कि, भारत में सहकारिता आंदोलन में कई प्रकार की कमियां ही दिखाई दी हैं। देश की अर्थव्यवस्था को यदि 5 लाख करोड़ अमेरिकी डालर के आकार का बनाना है तो देश में सहकारिता आंदोलन को भी सफल बनाना ही होगा।

भारत में आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना बहुत जरूरी है। वैसे तो हमारे देश में सहकारिता आंदोलन की शुरुआत वर्ष 1904 से हुई है एवं तब से आज तक सहकारी क्षेत्र में लाखों समितियों की स्थापना हुई है। कुछ अत्यधिक सफल रही हैं, जैसे अमूल डेयरी, परंतु इस प्रकार की सफलता की कहानियां बहुत कम ही रही हैं। कहा जाता है कि देश में सहकारिता आंदोलन को जिस तरह से सफल होना चाहिए था, वैसा हुआ नहीं है। बल्कि, भारत में सहकारिता आंदोलन में कई प्रकार की कमियां ही दिखाई दी हैं। देश की अर्थव्यवस्था को यदि 5 लाख करोड़ अमेरिकी डालर के आकार का बनाना है तो देश में सहकारिता आंदोलन को भी सफल बनाना ही होगा। इस दृष्टि से केंद्र सरकार द्वारा एक नए सहकारिता मंत्रालय का गठन भी किया गया है। विशेष रूप से गठित किए गए इस सहकारिता मंत्रालय से अब "सहकार से समृद्धि" की परिकल्पना के साकार होने की उम्मीद भी की जा रही है। भारत में सहकारिता आंदोलन का यदि सहकारिता की संरचना की दृष्टि से आंकलन किया जाय तो ध्यान में आता है कि देश में लगभग 8.5 लाख से अधिक सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। इन समितियों में कुल सदस्य संख्या लगभग 28 करोड़ है। हमारे देश में 55 किस्मों की सहकारी समितियां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं। जैसे, देश में 1.5 लाख प्राथमिक दुग्ध सहकारी समितियां कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 93,000 प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। ये मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में कार्य करती हैं। इन दोनों प्रकार की लगभग 2.5 लाख सहकारी समितियां ग्रामीण इलाकों को अपनी कर्मभूमि बनाकर इन इलाकों की 75 प्रतिशत जनसंख्या को अपने दायरे में लिए हुए है। उक्त के अलावा देश में सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं और यह तीन प्रकार की हैं। एक तो वे जो अपनी सेवाएं शहरी इलाकों में प्रदान कर रही हैं। दूसरी वे हैं जो ग्रामीण इलाकों में तो अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं, परंतु कृषि क्षेत्र में ऋण प्रदान नहीं करती हैं। तीसरी वे हैं जो उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों एवं कर्मचारियों की वित्त सम्बंधी जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करती हैं। इसी प्रकार देश में महिला सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं। इनकी संख्या भी लगभग एक लाख है। मछली पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मछली सहकारी साख समितियां भी स्थापित की गई हैं, इनकी संख्या कुछ कम है।

ये समितियां मुख्यतः देश में समुद्र के आसपास के इलाकों में स्थापित की गई हैं। देश में बुनकर सहकारी साख समितियां भी गठित की गई हैं, इनकी संख्या भी लगभग 35,000 है। इसके अतिरिक्त हाउसिंग सहकारी समितियां भी कार्यरत हैं। उक्तवर्णित विभिन क्षेत्रों में कार्यरत सहकारी समितियों के अतिरिक्त देश में सहकारी क्षेत्र में तीन प्रकार के बैंक भी कार्यरत हैं। एक, प्राथमिक शहरी सहकारी बैंक जिनकी संख्या 1550 है और ये देश के लगभग सभी जिलों में कार्यरत हैं। दूसरे, 300 जिला सहकारी बैंक कार्यरत हैं एवं तीसरे, प्रत्येक राज्य में एपेक्स सहकारी बैंक भी बनाए गए हैं। उक्त समस्त आंकडें वर्ष 2021-22 तक के हैं। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि हमारे देश में सहकारी आंदोलन की जड़ें बहुत गहरी हैं। दुग्ध क्षेत्र में अमूल सहकारी समिती लगभग 70 वर्ष पूर्व प्रारम्भ हुई है, जिसे आज भी सहकारी क्षेत्र की सबसे बड़ी सफलता के रूप में गिना जाता है। सहकारी क्षेत्र में स्थापित की गई समितियों द्वारा रोजगार के कई नए अवसर निर्मित किए गए हैं। सहकारी क्षेत्र में एक विशेषता यह पाई जाती है कि इन समितियों में सामान्यतः निर्णय सभी सदस्यों द्वारा मिलकर लिए जाते हैं। सहकारी क्षेत्र देश के आर्थिक विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकता है। परंतु इस क्षेत्र में बहुत सारी चुनौतियां भी रही हैं। जैसे, सहकारी बैंकों की कार्य प्रणाली को दिशा देने एवं इनके कार्यों को प्रभावशाली तरीके से नियंत्रित करने के लिए अपेक्स स्तर पर कोई संस्थान नहीं है। जिस प्रकार अन्य बैंकों पर भारतीय रिजर्व बैंक एवं अन्य वित्तीय संस्थानों का नियंत्रण रहता है ऐसा सहकारी क्षेत्र के बैंकों पर नहीं है। इसीलिए सहकारी क्षेत्र के बैंकों की कार्य पद्धति पर हमेशा से ही आरोप लगते रहे हैं एवं कई तरह की धोखेबाजी की घटनाएं समय समय पर उजागर होती रही हैं। इसके विपरीत सरकारी क्षेत्र के बैंकों का प्रबंधन बहुत पेशेवर, अनुभवी एवं सक्रिय रहा है। ये बैंक जोखिम प्रबंधन की पेशेवर नीतियों पर चलते आए हैं जिसके कारण इन बैंकों की विकास यात्रा अनुकरणीय रही है। सहकारी क्षेत्र के बैंकों में पेशेवर प्रबंधन का अभाव रहा है एवं ये बैंक पूंजी बाजार से पूंजी जुटा पाने में भी सफल नहीं रहे हैं। अभी तक चूंकि सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी तंत्र का अभाव था केंद्र सरकार द्वारा किए गए नए मंत्रालय के गठन के बाद सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने में कसावट आएगी एवं इन संस्थानों का प्रबंधन भी पेशेवर बन जाएगा जिसके चलते इन संस्थानों की कार्य प्रणाली में भी निश्चित ही सुधार होगा। सहकारी क्षेत्र पर आधरित आर्थिक मोडेल के कई लाभ हैं तो कई प्रकार की चुनौतियां भी हैं। मुख्य चुनौतियां ग्रामीण इलाकों में कार्य कर रही जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों की शाखाओं के सामने हैं। इन बैंकों द्वारा ऋण प्रदान करने की स्कीम बहुत पुरानी हैं एवं समय के साथ इनमें परिवर्तन नहीं किया जा सका है। जबकि अब तो ग्रामीण क्षेत्रों में आय का स्वरूप ही बदल गया है। ग्रामीण इलाकों में अब केवल 35 प्रतिशत आय कृषि आधारित कार्य से होती है शेष 65 प्रतिशत आय गैर कृषि आधारित कार्यों से होती है। अतः ग्रामीण इलाकों में कार्य कर रहे इन बैकों को अब नए व्यवसाय माडल खड़े करने होंगे। अब केवल कृषि व्यवसाय आधारित ऋण प्रदान करने वाली योजनाओं से काम चलने वाला नहीं है। भारत विश्व में सबसे अधिक दूध उत्पादन करने वाले देशों में शामिल हो गया है। अब हमें दूध के पावडर के आयात की जरूरत नहीं पड़ती है। परंतु दूध के उत्पादन के मामले में भारत के कुछ भाग ही, जैसे पश्चिमी भाग, सक्रिय भूमिका अदा कर रहे हैं। देश के उत्तरी भाग, मध्य भाग, उत्तर-पूर्व भाग में दुग्ध उत्पादन का कार्य संतोषजनक रूप से नहीं हो पा रहा है। जबकि ग्रामीण इलाकों में तो बहुत बड़ी जनसंख्या को डेयरी उद्योग से ही सबसे अधिक आय हो रही है। अतः देश के सभी भागों में डेयरी उद्योग को बढ़ावा दिए जाने की आवश्यकता है। केवल दुग्ध सहकारी समितियां स्थापित करने से इस क्षेत्र की समस्याओं का हल नहीं होगा। डेयरी उद्योग को अब पेशेवर बनाने का समय आ गया है। गाय एवं भैंस को चिकित्सा सुविधाएं एवं उनके लिए चारे की व्यवस्था करना, आदि समस्याओं का हल भी खोजा जाना चाहिए।

दृष्टि कोण

सांप्रदायिक सद्भाव की रक्षा करिए

हम भाजपाई हो सकते हैं या कांग्रेसी, या समाजवादी या बहुजनवादी। वाम हो सकते हैं या दक्षिण, किन्तु अंत में हम सब भारतीय हैं, और भारत की सुरक्षा, समृद्धि और आपसी सद्भाव से ही हमारा भविष्य जुड़ा है। हम कुछ भी होकर सोचें, भारत के भविष्य से हमारा भविष्य अलग नहीं हो सकता। हमें विकास चाहिए तो उसको भोगने के लिए शांतिपूर्ण माहौल भी चाहिए, जो आन्तरिक और बाह्य दोनों प्रकार से वांछित है। एक देश के अंदर हम समुदायों, संप्रदायों की भिन्नता के कारण उलझते रहें या देशों के आपसी विवादों के कारण, अंत में आम आदमी को ही इन विवादों का शिकार होना है। अधिकांश विवाद प्रभुत्व की भूख के चलते ही होते हैं। फिर चाहे बहाना आप सांप्रदायिक बना लें या आर्थिक, विस्तारवादी बना लें, विचारधारा के प्रति प्रतिबद्धता का बना लें, निचोड़ तो प्रभुत्व की भूख ही है। प्रभुत्व के बजाय समानता को लक्ष्य बना लें तो अपने आप निष्कर्ष ऐसे आने लगेंगे जिनमें टकराव की जरूरतें ही कम होती जाएंगी। यह विश्लेषण जितना भारत के लिए प्रसंगिक है, उतना ही वैश्विक पटल के लिए भी है। फिलहाल बात तो भारत की कर लें। आजकल बड़ी दुविधाजनक स्थिति में से हम गुजर रहे हैं। विकास की दौड़ में हमें अच्छी सफलताएं मिल रही हैं तो हम सभी मिल कर उसका फल उपभोग करें, यह सर्वमान्य लक्ष्य होना चाहिए, किन्तु सरकार के यह बार-बार कहने के बाद भी उसी सरकार का दूसरा चेहरा हिन्दू-मुसलमान में उलझा रहता है। राजनीतिक दलों की ऊपरी परत कुछ और कहती है और नीचे की परतें कुछ और कहती नजर आती हैं। पत्रकारिता अर्धसत्य अनुगामी होती जा रही है और उसे नियंत्रित करने के राजनीतिक और प्रशासनिक प्रयास सामने दिखने लग जाते हैं। टीवी पर जिस तरह की बहसें मुद्दों को लेकर दिखाई जाती हैं, उनसे स्पष्ट तौर पर पता चलता है कि ये आपसी भेदभाव, खासकर हिन्दू-मुस्लिम भेदभाव को बढ़ाने के उद्देश्य से की जा रही हैं। उनमें जिस तरह के लोगों को ज्यादातर बुलाया जाता है उनमें से नगण्य ही समाधानमुखी दृष्टिकोण लेकर बैठते हैं। चाहे हिन्दू जानकार हों या मुस्लिम, सभी ढूंढ ढूंढ कर विवाद बढ़ाने वाली बातों को उछालते दीखते हैं। अधिकांश चैनल ऐसे ही कार्यक्रम लेकर आते हैं। मुसलमान नेतृत्व में छुपे तौर पर यह भावना काम करती दिखती है कि वे तो इस देश के हुक्मरान रहे हैं, इसलिए हमारा स्तर तो कुछ विशेष ही होना चाहिए। अभी तक भी उनमें से कई 'गजवा-ए-हिन्द' जैसे अप्रासंगिक विचारों के अनुगामी दीखते हैं। और हिन्दू नेतृत्व इस हीनभावना से ग्रस्त दीखता है कि क्योंकि मुस्लिम आक्रान्ताओं ने हिन्दुओं के साथ अन्याय और अत्याचार किया, इसलिए अब हमारे हाथ में बागडोर आई है, तो हम उसका बदला अब पूरा करेंगे। ये दोनों ही विचार खतरनाक हैं। क्योंकि ये दोनों विचार हमें भूतकाल में जीने की ओर ले जाते हैं, जबकि असल जिन्दगी तो वर्तमान में चलती है। हमें तो अपने वर्तमान को बेहतर बनाने के लिए संघर्ष करना है। और यह संघर्ष सारे भारत वासियों का सांझा संघर्ष है। जो हमें आपस में नहीं करना है, बल्कि वैश्विक, आर्थिक, पर्यावरणीय, तकनीकी, राजनीतिक, जलवायु परिवर्तन जनित चुनौतियों से करना है, और इसकी उपलब्धियों के फल हम सभी को सांझा करने हैं। यह बात समझना कोई कठिन बात तो नहीं है, बल्कि इससे अलग दिशा की बात को समझने के लिए ज्यादा तिकड़म और बनावटी कहानियां घडऩे और समझने की जरूरत होगी। देश में बीस करोड़ के लगभग मुस्लिम आबादी है, जिसे विकास का हिस्सेदार बनाए बिना देश का विकास संभव नहीं। विकास का हिस्सेदार बनाने का यह अर्थ नहीं कि वे अपनी शर्तों पर जो चाहे वह करने का प्रयास करें, और यह भी नहीं कि हिन्दू जो बहुमत में हैं, वे अपनी मनमानी सोच को लागू करने की दिशा में बढऩे का सोचने लगें। हम सभी धर्मों-पंथों, भाषाओं, क्षेत्रों के लोग बराबर के हिस्सेदार हैं। इसलिए कोई विशेषाधिकार न मांगें, यही न्यायपूर्ण विकास का मार्ग है। इसमें कोई शक नहीं कि मुस्लिम आक्रान्ताओं ने हमारे हिन्दू मंदिरों को तोड़ा किन्तु उन घटनाओं को हम आज के वातावरण को खराब करने का कारण नहीं बना सकते। जहां भी विवाद की स्थिति आती है तो देश के कानून और न्याय व्यवस्था से मामले हल हों। राम मन्दिर विवाद में दोनों पक्षों ने आरंभिक दुराग्रहों के बावजूद अंत में न्याय व्यवस्था पर अनुकरणीय रूप से सद्भावना स्थापित करने में योगदान दिया। अब हर जगह नए नए विवाद ढूंढने के प्रयास न किए जाएं। हम मुसलमान या हिन्दू होकर सोचना बंद करें, बल्कि भारतीय होकर सोचें तो समाधान आसानी से उपलब्ध हो सकते हैं।

कुछ अलग

जहं-जहं पांव पड़े संतन के...

देवभूमि में सत्ता पक्ष और विपक्ष में आजकल ख़ूब नूराकुश्ती चल रही है, घाटे में चल रहे हिमाचल प्रदेश विकास निगम के अठारह होटलों को लेकर। उच्च न्यायालय के सिंगल बैंच ने निगम के घाटे में चल रहे अठारह होटलों को बंद करने का निर्णय दिया तो डबल बैंच ने उसे उलट दिया या पलट दिया। पता नहीं क्या कहना ठीक होगा। अकेले जज साहिब को जो ठीक लगा उसे दो जजों ने मिलकर उलट दिया। शायद इसे ही 'एक और एक ग्यारह' होना कहते हैं। भला, यह भी कोई बात हुई कि एक अकेले जज साहिब ही इतने होटलों को बंद करने का आदेश दे दें। करोड़ों का घाटा झेलने के बाद जो हिम्मत राज्य सरकारें वर्षों से नहीं जुटा पाई, उसे अकेले जज साहिब दिखा कर क्या साबित करना चाहते थे। आखिर इन छोटे-मोटे फैसलों से प्रदेश का क्या भला होगा? अकेले जज साहिब को राज्य को हो रहा घाटा या पर्यटन विकास निगम की अकर्मण्यता बुरी लगी तो लगी। पर डबल बैंच ने साबित कर दिया कि सरकार तो होती ही घाटा उठाने के लिए है और सरकारी विभागों, निगमों या बोर्डों से कुशलता की उम्मीद करना बेकार है। जब इतने सालों से घाटा खा रहे हैं तो थोड़े बरस और सही। की फर्क पैंदा है। जित्थे इन्ने हज़ारां करोड़ दा घाटा हैगा, उत्थे पैंती-चाली करोड़ और सही। ज़्यादा से ज़्यादा क्या होगा, घाटा एक लाख करोड़ तक जऱा जल्दी पहुंच जाएगा। पर देसी घी मिलता रहना चाहिए। भले कज़ऱ्लेकर सही। घी खाकर सेहत ठीक रही तो कज़ऱ् भी चुका लेंगे। फिर घाटा तो तभी होगा जब सरकारी कर्मचारी पूरी ईमानदारी के साथ निकम्मे बने रहेंगे। ऐसा न होता तो न्यायालयों में सालों से करोड़ों केस क्यों बांझ पड़े रहते? ऐसे में पर्यटन निगम राज्य सरकार से अपने कर्मचारियों के बकाए को चुकता करने के लिए कुछ करोड़ की मांग कर रहा है तो क्या बुरा है? कहीं और से उधार लेगा तो चुकता करने के लिए मेहनत करनी होगी, जो प्रदेश की सरकारी कार्य संस्कृति की परिपाटी के खिलाफ होगा। फिर सरकार ने हाल ही में मंत्रियों के साथ दो-दो सोशल मीडिया समन्वयक नियुक्त करने का जो निर्णय लिया है, वह ऐतिहासिक है। बेचारे मंत्री कहीं तो काम करते दिखें। भले सोशल मीडिया पर ही सही। यूं भी दिन में अठारह-अठारह घंटे काम करते-करते उनकी काया इतनी घिस गई है कि उनकी परछाईं उनके अपने विधानसभा क्षेत्रों से बाहर नहीं जा पाती। पता ही नहीं चलता कि वह राज्य के कैबिनेट मंत्री हैं या अपने विधानसभा क्षेत्र के। यूं भी वर्तमान सरकार ने जिस तरह अपने चहेतों को कैबिनेट रैंक बांटे हैं, उससे लगता है कि अब कोई भी अपने नाम के साथ कैबिनेट रैंक लिख सकता है। यथा- पंजू मोची कैबिनेट रैंक, नत्थू राम हलवाई कैबिनेट रैंक, छक्कू राम सब्ज़ी वाला कैबिनेट रैंक या पीए सिद्धार्थ व्यंग्यकार कैबिनेट रैंक। होटलों में कम ऑक्युपेंसी को वजह बताते हुए हाईकोर्ट ने जब उन्हें बंद करने का फैसला सुनाया तो निगम ने कहा कि अगर होटल बंद हुए तो उसकी छवि खराब होगी। उसने यह भी कहा कि चूंकि वह ख़ुद होटलों को चलाने में समर्थ है, उन्हें निजी हाथों में देने की ज़रूरत नहीं। पर उससे किसी ने पूछा नहीं कि भय्या अगर छवि इतनी अच्छी है और अगर वह उन्हें स्वयं चलाने में समर्थ है तो फिर घाटा क्यों? निगम से ये सवाल कोई सरकार या सरकारी अधिकारी तो पूछने से रहे। वजह साफ है माल-ए-मुफ्त, दिल-ए-बेरहम। राज्य की हवाओं में कई किस्से तैरते रहते हैं, निगम के कर्ताओं-धर्ताओं की ऐयाशियों के। कभी सुनने में आता है कि फलाने कर्ताधर्ता का घर निगम के संसाधनों की देन है तो कभी सुनने में आता है कि ढिकाने कर्ताधर्ता अपने मित्रों के साथ निगम के होटलों में मौज़ करते रहे। चंदन मुफ्त का हो तो सभी घिसते हैं।

देश दुनीया से

ट्रंप के राष्ट्रवाद की जीत

राष्ट्रवाद वैश्वीकरण, आतंकवाद और धार्मिक उन्माद, युद्ध और आर्थिक उथल-पुथल के चलते पूरी दुनिया में राष्ट्रवाद उभार पर है। वर्तमान अमरीकी राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे भी उसी तर्ज पर माने जा सकते हैं। गौरतलब है कि ट्रंप जब पहली बार राष्ट्रपति बने थे, तो उन्होंने चुनाव से पहले और चुनाव के बाद भी इस बात को बार-बार दोहराया था कि वे चीनी वस्तुओं के अंधाधुंध आयात के कारण जंग खाती फैक्ट्रियों को दोबारा शुरू करना चाहते हैं। वे अमरीका की अप्रवासी नीतियों में भी आमूलचूल परिवर्तन चाहते हैं ताकि अमरीकियों के रोजगार की रक्षा हो सके। उन्होंने तो यहां तक कहा कि वे मैक्सिको से हो रही गैर-कानूनी घुसपैठ को रोकने के लिए पूरी सीमा पर दीवार खड़ी करना चाहते हैं। उनका इस बात पर जोर रहा था कि अमरीका को दूरदराज के देशों में सशस्त्र दखल रोकना है, ताकि अमरीका को गैर जरूरी खर्चों से बचाया जा सके। रूस जैसे देश जिसके साथ अमेरिका के संबंध कभी भी मधुर नहीं रहे, उसके साथ भी ट्रंप ने दोस्ती का हाथ बढ़ाया और रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ उनकी मित्रता भी काफी चर्चा में रही। अपनी इन्हीं नीतियों के कारण ट्रम्प बहुसंख्यक अमरीकियों में अपनी लोकप्रियता के चलते पुनः राष्ट्रपति बनने में सफल हो सके। अमेरिका प्रथम ट्रंप प्रशासन का मूल मंत्र रहा है। यानी कुल मिलाकर अमेरिका में ट्रंप के राष्ट्रवाद का जादू सिर चढक़र बोल रहा है।

उधर यूरोप में भी राष्ट्रवाद पुनः उभार ले रहा है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद यूरोपीय देशों में पहले उदारवाद और बाद में भूमंडलीकरण और यहां तक कि खुली अप्रवासी नीति भी अपनाई जाने लगी थी। लेकिन आज यूरोपीय देश राष्ट्रवाद पर सवार होकर अपनी अर्थव्यवस्था और समाज की चिंता कर रहे हैं। सबसे पहले ब्रिटेन ने ब्रेक्सिट के माध्यम से स्वयं को यूरोपीय समुदाय से अलग किया। हालांकि ब्रिटेन के अलावा यूरोपीय समुदाय के सभी देश भी समुदाय में बने हुए हैं, लेकिन सभी देशों में जहां पूर्व में उदारवादी सरकारों का बोलबाला था, अब राष्ट्रवाद का ज्वार बढ़ता दिख रहा है। छह प्रमुख यूरोपीय देशों इटली, फिनलैंड, स्लोवाकिया, हंगरी, क्रोएशिया और चेक गणराज्य में तो राष्ट्रवादी सरकारें पहले से ही स्थापित हो चुकी हैं, कई अन्य देशों में राष्ट्रवादी पार्टियां काफी ताकतवर हो रही हैं। स्वीडन में सरकार का अस्तित्व राष्ट्रवादी दल नेशनलिस्ट स्वीडेन डेमोक्रेट के समर्थन पर टिका है। नीदरलैंड में इस्लाम विरोधी ग्रीट वाइल्डर का दल सत्ता में महत्वपूर्ण भूमिका में है। जर्मनी और फ्रांस में भी राष्ट्रवादी राजनीतिक दलों का प्रभाव अभूतपूर्व रूप से बढ़ रहा है, और वो सत्ता के काफी नजदीक पहुंच रहे हैं। इन सब बदलावों का असर यूरोपीय समुदाय के चुनावों पर भी दिख रहा है। पंथनिरपेक्षता के नाम पर जैसे जैसे अल्पसंख्यक समुदायों का तुष्टिकरण बढ़ा, और तुष्टिकरण के साथ ही साथ अतिवाद भी बढ़ा। साथ हाल ही में फ्रांस और इंग्लैंड में इस अतिवाद के भयानक दृश्य भी सामने आए। इन सब घटनाओं से भी यूरोप और अमरीका में ही नहीं पूरी दुनिया में जनमानस का मूड बदला है।

राष्ट्रवाद की जीत के मायने : चाहे यूरोप हो या अमरीका, राष्ट्रवाद की जीत के कई निहितार्थ हैं। सबसे पहले समझना होगा कि यह अतिवादी ताकतों की एक बड़ी हार है। ट्रम्प ने अपने चुनावी भाषणों में हिंदुओं की भूरि-भूरि प्रशंसा की है और अमरीका में उनकी भूमिका को सराहा है, और यहां तक कि स्वयं को हिंदुओं का बड़ा प्रशंसक तक बताया है। इससे पहले किसी अमरीकी राष्ट्रपति ने ऐसा नहीं किया। उधर हालांकि ट्रम्प मुस्लिमों के खिलाफ तो नहीं, लेकिन उन्होंने साफ-साफ कहा है कि जो मुस्लिम अप्रवासी हमास का समर्थन करेंगे, वे उन्हें अमरीका से बाहर कर देंगे। यानी ट्रम्प किसी भी प्रकार के अतिवाद के विरोधी हैं। गौरतलब है कि बाईडेन प्रशासन ने अतिवादी ताकतों का समर्थन करने वाली कनाडा सरकार का समर्थन किया था। आने वाला ट्रम्प प्रशासन ऐसा नहीं करेगा। महत्वपूर्ण है कि जहां अतिवादी, वामपंथी, वोक, समलैंगिक मानवाधिकार समर्थक एक तरफ खड़े दिखाई देते हैं, ट्रंप ने स्पष्ट रूप से अमरीकी राष्ट्रवाद (अमेरिका प्रथम) का जो नारा दिया और जीत हासिल की, वह इस बात का प्रमाण है कि ट्रंप की जीत एक प्रकार से अतिवादी, वामपंथी, वॉकिज़्म आदि ताकतों की भी हार है।

एलन मस्क की भूमिका : अमेरिकी चुनावों में अमेरिका के एक बड़े उद्योगपति और अरबपति एलन मस्क की भूमिका भी अमेरिकी चुनावों में महत्वपूर्ण रही। समझना होगा कि एलन मस्क निजी तौर पर वॉकिज़्म शिकार हुए हैं। अमेरिका खास तौर पर कैलिफोर्निया राज्य में विद्यालय वॉकिज़्म इस कदर शिकार हैं कि पांच वर्ष के बच्चे से भी कहा जाता है कि वो स्वयं के बारे में निर्णय करने के लिए स्वतंत्र है कि वो किस लिंग को अपनाना चाहता है। बच्चों को लिंग बदलने के लिए प्रेरित ही नहीं प्रोत्साहित भी किया जाता है। इसी प्रकार एलन मस्क के पुत्र को भी बरगलाया गया और एलन मस्क से भी धोखे से सहमति ले ली गई और उनके पुत्र को हार्मोन्स देकर बालिका में बदल दिया गया। वॉकिज़्म की शिकार पुत्र से परिवर्तित पुत्री ने एलन मस्क से अपने रिश्ते भी तोड़ दिए। ऐसे में खिन्न एलन मस्क ने वॉकिज़्म के खिलाफ काम करने का निर्णय ले लिया। यह महज संयोग नहीं कि चाहे एलन मस्क पहले तो ट्रंप के विरोधी थे, लेकिन बाद में वो उनके समर्थक हो गए। ट्विटर सोशल मीडिया प्लेटफार्म को खरीदने के बाद ट्रम्प को ट्विटर पर बहाल किया और यही नहीं अपने उदासीन रुख को छोडक़र वे सीधे सीधे ट्रंप के समर्थन में आ गए। ट्रंप की जीत में एलन मस्क की महत्वपूर्ण भूमिका बतायी जा रही है। यह भी समझा जा सकता है कि यह चुनाव वॉकिज़्म के खिलाफ भी एक चुनाव है। हम समझते हैं कि यह चुनाव आर्थिक मुद्दों के अलावा वोकिज्म, अतिवाद, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बनाम सेंसरशिप के मुद्दों पर लड़ा गया था, जहां ट्रम्प घरेलू व्यवसायों की रक्षा और बढ़ावा देकर, अप्रवास को प्रतिबंधित करके और अनिर्दिष्ट अप्रवासियों को निर्वासित करके, अमेरिकियों के लिए नौकरियों की रक्षा के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका में काम करके अमेरिका को फिर से महान बनाने के अपने संकल्प को दोहरा रहे थे।

आप का नजरीया

कालेजों का हुलिया बदले

अंततः शिक्षा का हुलिया किससे पूछा जाए। छात्रों को संख्या में ढूंढा जाए या रोजगार में देखा जाए। ऊंची इमारतों में क्षेत्रीय अपेक्षाओं के मकसद खोजे जाएं या सफल भविष्य की रफ्तार में प्रासंगिकता के सवाल खड़े किए जाएं। जो भी हो शिक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए अब छात्र नहीं, बल्कि इसके साथ जुड़े संपूर्ण समुदाय से पूछा जाए। पूछा जाना चाहिए कि हम पढ़ा क्या रहे और किस तरह पढ़ा रहे। पढ़ क्या रहे और कर क्या रहे। रोजगार के बाजार में हम किस डिग्री को ओढ़े और किस भाषा के बोले पर गोले लगा रहे हैं। स्कूल-कालेज परिसर से इतर हमारे पास अध्ययन व ज्ञान की अधोसंरचना व अवसर हैं क्या। मुकाबला तो यह भी है कि सरकारी व गैरसरकारी संस्थानों के बीच खाई क्यों बढ़ रही है। सरकारी शिक्षण पद्धति के आचरण में आखिर गिरावट के कारण क्या और समाधान क्या। विभागीय पक्ष हमेशा बचाव की मुद्रा में क्यों रहता है और क्यों वार्षिक व अवसर विशेष के अवकाशों में शिक्षा विभाग की माथापच्ची आज भी जारी है। बेशक प्राथमिक सीढियों में हिमाचल को मात्रात्मक शिक्षा की आवश्यकता थी और इसकी बदौलत जागरूकता व समृद्धि आई, लेकिन यही पहचान राजनीतिक कारणों से इतनी बिखर रही है कि दर्जनों इमारतें अपनी प्रासंगिकता खोने लगी हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में उच्च शिक्षा में बदलाव लाने की एक चेष्टा शिमला में दिखाई दी, जहां सबसे बड़ा सवाल कालेजों में घटती छात्रों की संख्या से उत्पन्न हुआ। आश्चर्य यह कि हिमाचल ने 138 सरकारी कालेज बना दिए जो राष्ट्रीय औसत और पंजाब के मुकाबले भी बहुत अधिक हैं, जबकि इनमें 55 की काबिलीयत सौ छात्रों के प्रवेश को भी संभव नहीं बना पा रही। यह दीगर है कि मंडी में 5681 और धर्मशाला जैसे कालेजों में 5459 छात्र पढ़ रहे हैं, अतः जरूरत को समझने के लिए शिक्षा परिसर की गुणवत्ता अहम हो जाती है। ऐसे बहुत सारे कालेज हैं जिन्हें एक दूसरे में कलस्टर के आधार पर समाहित किया जा सकता है या इन्हें देश के चर्चित शिक्षा प्रतिष्ठानों को पीपीपी मोड के तहत आबंटित कर देना चाहिए। विडंबना यह है कि कालेजों को स्नातकोत्तर का दर्जा देने में भी यह नहीं सोचा कि पाठ्यक्रम से इतर ज्ञान के स्रोत हैं कहां। उदाहरण के लिए घुमारवीं के कालेज में दस-ग्यारह विषयों में स्नातकोत्तर पढ़ाई तो शुरू हो गई, लेकिन वांछित सुविधाएं, फैकल्टी व वातावरण नहीं दे पाए। इतना ही नहीं, अब तो मंडी विश्वविद्यालय खुलने के बाद कालेजों के आबंटन तक में शिक्षा बिखर रही है। होना यह चाहिए था कि हिमाचल विश्वविद्यालय के ही चार या पांच अध्ययन केंद्र बना कर वहां विषयों के आधार पर स्नातकोत्तर अध्ययन करवाया जाता। इसके अलावा कुछ महाविद्यालयों को राज्य स्तरीय दर्जा देकर, कालेज ऑफ इक्नोमिक्स, कालेज ऑफ लैंग्वेज, कालेज ऑफ डिफेंस स्टडीज, कालेज ऑफ परफार्मिंग आट्र्स, कालेज ऑफ साइंसेज, स्टेट बिजनेस स्कूल, कालेज ऑफ ट्राइबल स्टडीज, कालेज ऑफ फिशरी स्टडीज, कालेज ऑफ म्युजिक तथा राज्य खेल महाविद्यालय का दर्जा देकर अध्ययन व शोध की परिपाटी को नए आयाम तक पहुंचाया जा सकता है। इस दौरान दो तरह की पढ़ाई हो रही। एक वही पुराना सरकारी ढर्रा जहां घोषणाओं पर शिक्षा को राजनीतिक उद्देश्यों पर लाद कर बर्बाद किया जा रहा और समूचा छात्र समुदाय भटक रहा है।

बांग्लादेश में हिंदुओं के संहार के विरोध में बलिया में उबाल, हिंदू संगठनों ने निकाली जनाक्रोश यात्रा

बलिया (हिंस)। बांग्लादेश में हिंदुओं पर इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा किए जा रहे हिंसा व अत्याचार के विरोध में शहर के रामलीला मैदान में हिंदू रक्षा संघर्ष समिति के तत्वाधान में हजारों हिंदू समर्थकों ने विशाल प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद आक्रोशित हिंदुओं ने जिलाधिकारी कार्यालय तक मार्च किया और राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। हिंदू समर्थकों के द्वारा आक्रोश प्रदर्शन में हजारों लोग शामिल हुए। उन्हें सम्बोधित करते हुए वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता रमेश ने बांग्लादेश में हो रही हाल की घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं और वहां के अल्पसंख्यकों को टारगेट किया जा रहा है। उनके मंदिरों, घरों और कार्यालयों में लूटपाट और आगजनी की जा रही है। संपत्तियां लूटी जा रहीं हैं। बड़े पैमाने पर हिंदू महिलाओं के साथ बलात्कार हो रहे हैं। हिंदू परिवारों का जबरन धर्मांतरण कराया जा रहा है। ऐसा न करने पर उनका सामूहिक नरसंहार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रही घटनाएं पूरे विश्व को व वहां निवास कर रहे हिंदू समाज को आतंकित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में हिंदुओं की दुर्दशा के

बाद अब बांग्लादेश भी पाकिस्तान की राह पर चलते हुए हिंदुओं के साथ आतंकी व्यवहार अपना रहा है। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के प्रयासों ने देश को इस्लामी जेहाद की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। यदि बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ इसी तरह का व्यवहार जारी रहा तो भारत का समस्त हिंदू समाज बांग्लादेश के हिंदू समाज के लिए संघर्ष करने के लिए तैयार होगा। इसके बाद विभिन्न संगठनों से आये हुए प्रमुख लोगों ने भी बांग्लादेश में हिंदुओं व अल्पसंख्यकों पर हो रहे भीषण अत्याचार के विषय में अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए राष्ट्रपति को बांग्लादेश के प्रति भारत के कड़े रुख व उचित कार्रवाई की बात कही। वक्ताओं ने बांग्लादेश की वर्तमान स्थिति पर अपना आक्रोश व्यक्त किया। साथ ही आह्वान किया कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को रोकने व इस्कान बांग्लादेश के प्रमुख स्वामी चिन्मय कृष्ण की बिना शर्त रिहाई के आह्वान किया। इसके बाद रामलीला मैदान में विरोध-प्रदर्शन के बाद हजारों की संख्या में पुरुष, महिलाओं और बच्चों ने हाथों में भारत माता की जय, जय श्रीराम, बंद करो बंगलादेश के हिंदुओं पर अत्याचार आदि लिखे तख्तियां लेकर व बांग्लादेश के हिंदुओं की रक्षा का नारा लगाते हुए रामलीला मैदान से एलआईसी तिराहा, हनुमानगढ़ी मंदिर, विजय सिनेमा रोड, चौक, सेनानी उमाशंकर चौराहा, ओकडेनगंज पुलिस चौकी, चित्तू पांडेय चौराहा, रोडवेज होते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। जहां हिंदू रक्षा संघर्ष समिति बलिया के जिला संयोजक रामकुमार तिवारी ने राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार को सौंपा। इस अवसर पर मंच पर हिंदू रक्षा संघर्ष समिति बलिया के जिला संयोजक राम कुमार तिवारी के साथ विश्व हिंदू परिषद से मंगलदेव चौबे, श्रीनाथ मठ के प्रमुख कौशलेंद्र गिरी, विद्या भारती से प्रधानाचार्य शैलेन्द्र त्रिपाठी, गायत्री परिवार के प्रमुख विजेंद्र नाथ चौबे, इस्कान के आनन्द गौरांग, आर्य समाज के वेद प्रकाश वैदिक, डॉ. प्रतिभा त्रिपाठी, व्यापारी समाज से रजनीकांत, विजय नारायण पांडेय, भाजपा से देवेंद्र यादव व सरदार देवेंद्र सिंह चावला आदि थे। जिन्होंने बांग्लादेश की भयावह स्थिति पर अपने विचार विस्तार से रखे। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष संजय यादव, विधायक केतकी सिंह, पूर्व मंत्री नारद राय, पूर्व मंत्री उपेंद्र तिवारी, पूर्व मंत्री आनंद स्वरूप शुक्ल, पूर्व विधायक रामइकबाल सिंह, पूर्व विधायक सुरेन्द्र सिंह, अम्बेश, अखिलेश्वर व हरनाम के साथ पूरा संघ परिवार उपस्थित था।

किसानों के शांतिप्रिय आंदोलन का हरियाणा की खापों ने किया पूर्ण समर्थन

हसार (हिंस)। हरियाणा की विभिन्न खापों की चुनी हुई कमेटी ने ऐलान किया है हरियाणा में अपनी जायज मांगों को लेकर किसान संगठनों द्वारा किए जा रहे आंदोलन को यदि सरकार ने दबाने का प्रयास किया तो सभी खापों की ओर से किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर आंदोलन को भरपूर समर्थन दिया जाएगा। इस संबंध में जाट धर्मशाला में मंगलवार को विभिन्न खापों की चुनी हुई कमेटी ने बैठक की। बैठक के बाद पत्रकारों वार्ता को संबोधित करते हुए महम चौबीसी खाप के प्रमुख प्रतिनिधि रामफल राठी, पूनिया खाप से शमशेर सिंह नंबरदार, दहिया खाप से जयपाल दहिया, सात बास खाप से बलवान मलिक, कंडेला खाप से ओमप्रकाश कंडेला, सतरोल खाप से सतीश चेयरमैन, सतरोल खाप तपा बास के प्रधान वीरेंद्र बामल, नेहरा खाप से कृष्ण नेहरा, फौगाट खाप से सुरेश फौगाट, कुंडू खाप से उमेद सरपंच आदि ने कहा कि पिछले लंबे समय से एमएसपी सहित अन्य मांगों को लेकर किसान आंदोलनरत हैं। पिछले 13 फरवरी से खनौरी व शंभू बार्डर पर किसानों को रोका हुआ है।

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव

विभिन्न राज्यों की शिल्प और लोक कला का संगम

चंडीगढ़ (हिंस)। कुरुक्षेत्र में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव से ही इस क्षेत्र को शिल्प और लोक कला केंद्र के रूप में एक अनोखी पहचान मिल रही है। पूरा आयोजन स्थल विभिन्न राज्यों की शिल्प और लोक कला का संगम दिख रहा है। कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के प्रवक्ता ने बताया कि गीता महोत्सव में शिल्पकारों की कला आकर्षण का केंद्र बिंदु बने हैं। यहां आने वाले दर्शकों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। पर्यटकों को ब्रह्मसरोवर के घाटों पर उतराखंड, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, मिजोरम, मेघालय, असम, त्रिपुरा, लदाख, वेस्ट बंगाल आदि राज्यों के लोक नृत्यों की प्रस्तुतियां लोगों का मन मोह रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के दौरान ब्रहमसरोवर के पावन तट पर सजे विभिन्न प्रदेशों के तरह-तरह के लजीज व्यंजन जैसे राजस्थान की कचौरी, पंजाब की लस्सी, बिहार का लिटी चोखा, कश्मीर का कहवा पर्यटकों खूब को लुभा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि गीता की स्थली कुरुक्षेत्र की गोद में देश की लगभग सभी राज्यों की लोक कला और संस्कृति का संगम दिख रहा है।

दो लाख की साड़ियां चोरी का खुलासा ट्रक मालिक सहित पांच गिरफ्तार

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। जिले में भूपालसागर हाईवे होटल के बाहर से 52 लाख कीमत की साड़ियों से भरे ट्रक चोरी की वारदात का पांचवे दिन खुलासा करते हुए पुलिस ने साइबर सेल की मदद से ट्रक मालिक सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चोरी गया 52 लाख का माल बरामद कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों से वारदात में प्रयुक्त एक कंटेनर, दो बाइक एवं एक मारुती वैन को जब्त किया है। ट्रक मालिक ने ही चालक को धोखे में रख चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि गत 30 नवंबर को ट्रक चालक आकोला थाने के आजनखेड़ा निवासी कैलाश ढोली ने भूपालसागर थाने पर रिपोर्ट दी थी। इसमें बताया कि वह डेढ माह से देवीलाल पुत्र सीताराम रेगर निवासी फतहनगर की ट्रक चला रहा है। गत 28 नवंबर को दिन मे आर. ट्रांसपोर्ट कंपनी सराली रोड सूरत से उसके ट्रक मालिक के पुत्र नरेश रेगर के द्वारा भाड़े पर साड़ियां भर कर जयपुर ट्रांसपोर्ट नगर खाली करने को कहा था। ट्रक में पैकिंग बोरे साड़ियां भर कर क्लीनर राहुल के साथ गुजरात से उदयपुर होते हुए रवाना हुआ था। ट्रक मालिक के बताए अनुसार 29 नवंबर को ट्रक को वेलकम हॉटल भूपालसागर पर साइड में खडा कर दिया। यहां से ट्रक मालिक नरेश रेगर उसे होटल से बाइक पर बैठा कर उसके घर फतहनगर छोड़ आया। प्रार्थी 30 नवंबर को सुबह होटल पहुंचा तो ट्रक नहीं मिला।

प्रोमोशन के दो माह बाद ही सीआरपीएफ के सबइंस्पेक्टर ने पेड़ पर फंदा लगाकर दी जान

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के प्रशिक्षण केंद्र पालड़ी खिंचियान के ग्राउंड में हाल में ही प्रोमोट हुए सबइंसपेक्टर ने गुमठ के पेड़ पर रस्सी का फंदा डालकर अपनी जान दे दी। आत्महत्या का कारण पता नहीं चला है। पुलिस को कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है। शव का आज दोपहर में एमजीएच में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया। वह मूल रूप से मध्यप्रदेश के रहने वाले थे। सूरसागर पुलिस थाने के सबइंस्पेक्टर मानाराम ने बताया कि मूलतः मध्यप्रदेश के मुरैना स्थित मेनकापुरा हाल सीआरपीएफ प्रशिक्षण केंद्र पालड़ी खिंचियान में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 55 वर्षीय जीडी शिशुपाल पुत्र अमरसिंह ने प्रशिक्षण के ग्राउंड में गुमठ के पेड़ पर रस्सी का फंदा डालकर आत्महत्या कर ली। उनके आत्महत्या का कारण पता नहीं चला है। घटना 1-2 दिसंबर की रात के बीच की है। 2 दिसंबर की सुबह इस बारे में ग्राउंड के अनुभाग दो में जब जीडी अरूण कुमार पहुंचे तब इसका पता लगा। इस पर पुलिस को सूचना मिलने पर वहां पहुंची। शव को बाद में एमजीएच की मोर्चरी में रखवाया गया। आज उनके परिजन के आने पर शव का एमजीएच में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया।

उपचुनाव में जीते सात विधायकों ने ली शपथ, डांगा ट्रैक्टर से पहुंचे विधानसभा

जयपुर (हिंस)। राजस्थान की सात विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में जीतकर आने वाले विधायकों ने मंगलवार को शपथ ग्रहण की। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विधानसभा में शपथ दिलवाई। दौसा से डीसी बैरवा, खींवसर से रेवतराम डांगा, सलूंबर से शांता देवी मीणा, देवली-उनियारा से राजेन्द्र गुर्जर, झुंझुनूं से राजेन्द्र भांबू, रामगढ़ से सुखवंत सिंह और चौरासी से अनिल कटारा ने शपथ ली। इस दौरान विधानसभा में आरएलपी का सूपड़ा साफ करने वाले रेवंतराम डांगा ट्रैक्टर से विधानसभा पहुंचे। दौसा से विधायक डीसी बैरवा संविधान की किताब दिखाते हुए विधानसभा पहुंचे। प्रदेश में उपचुनाव के लिए 13 नबंवर

को मतदान हुआ था। जबकि प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला 23 नबंवर को हुआ। दौसा विधानसभा सीट से तत्कालीन विधायक मुरारी लाल मीणा के सांसद बनने, खींवसर से तत्कालीन विधायक हनुमान बेनीवाल के सांसद बनने, चौरासी तत्कालीन विधायक राजकुमार रोत के सांसद बनने, झुंझुनूं से बृजेंद्र ओला के सांसद बनने और देवली-उनियारा से तत्कालीन विधायक हरीश मीणा के सांसद बनने के बाद सीट खाली हुई थी। वहीं, रामगढ़ सीट से जुबेर खान और सलूंबर से अमृतलाल मीणा के निधन होने पर उपचुनाव हुए। सात सीटों पर हुए उपचुनाव में बीजेपी ने पांच, कांग्रेस और भारतीय आदिवासी पार्टी ने एक सीट जीती थी। उपचुनाव के बाद विधानसभा में अब 200 विधायकों की संख्या पूरी हो गई है। विधानसभा में संख्या बल के हिसाब से बीजेपी और कांग्रेस के बाद बाप सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। बाप के चार विधायक हो गए हैं। उपचुनाव के बाद बीजेपी के 119 विधायक, कांग्रेस के 66, बाप के चार, बसपा के दो, आरएलडी का एक और आठ निर्दलीय विधायक हैं। आदिवासी बाहुल्य तीन जिलों से बाप के चार विधायक हैं। डूंगरपुर जिले की आसपुर और चौरासी, बांसवाड़ा की बागीदौरा और प्रतापगढ़ जिले की धरियावद सीट से बाप के विधायक हैं। उपचुनाव में कांग्रेस ने देवली उनियारा, झुंझुनू और रामगढ़ सीटें खोई हैं। केवल दौसा सीट ही बरकरार रख सकी। कांग्रेस के पास चार सीटें थीं, अब एक एक पर जीती इस तरह तीन सीट का नुकसान हुआ। बीजेपी के पास केवल सलूंबर सीट थी। बीजेपी ने पांच सीटें जीती। खींवसर सीट पर हार के बाद हनुमान बेनीवाल की पार्टी का कोई विधायक नहीं रहा।

सुखबीर बादल व अन्य धार्मिक सजा भुगतने पहुंचे अकाल तख्त साहिब, बदला चोला

चंडीगढ़ (हिंस)। शिरोमणि अकाली दल (बादल) के पूर्व प्रधान और पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल और बादल सरकार के पूर्व मंत्रियों आज सुबह चोला बदल गया। सभी ने अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघुबीर सिंह की कल सुनाई गई धार्मिक सजा का पालन शुरू कर दिया। आज सुबह सुखबीर बादल सभी नेताओं के साथ अमृतसर स्थित दरबार साहिब पहुंचे। बादल और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुखदेव सिंह ढींडसा ने सेवादार का चोला पहना। गले में दोषी माफी वाली तख्ती लटकाने के बाद सुखबीर व ढींडसा दरबार साहिब की मुख्य ड्योढी के बाहर हाथों में बरछे लेकर बैठे। अकाल तख्त साहिब के प्रबंधक ने उनकी हाजिरी लगवाई। अकाली दल के कार्यवाहक अध्यक्ष बलविंदर सिंह

भूंदड़, दलजीत सिंह चीमा समेत कई नेता वहां मौजूद रहे। सुखबीर ने चौकीदार की सजा भुगतने के बाद बर्तन साफ करने व जोड़ाघर में जाकर भी सजा भुगती। सुखबीर बादल के पहली सजा भुगतने के बाद अकाली दल के अन्य सभी नेताओं ने भी आज अपनी धार्मिक सजा भुगतने की शुरुआत की। अन्य नेताओं को यहां के जनता शौचालयों की सफाई करने की सजा दी गई है।

मथुरा कृष्ण जन्मभूमि केस में मीडिया को संयम बरतने का निर्देश

अदालती कार्रवाई की गलत रिपोर्टिंग कोर्ट की अवमानना के समान : हाईकोर्ट

प्रयागराज (हिंस)। मथुरा में चल रहे कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अदालती कार्रवाई की गैर जिम्मेदाराना व गलत रिपोर्टिंग के बारे में मीडिया को कड़ी चेतावनी दी है। हाईकोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी कोई भी रिपोर्टिंग, जो मामले में कार्रवाई या आदेशों को गलत तरीके से प्रस्तुत करती है, प्रथम दृष्टया न्यायालय की अवमानना के बराबर हो सकती है। मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि-केस की सुनवाई करते हुए जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्रा ने अपने आदेश में कहा कि यह न्यायालय उम्मीद करता है कि मीडियाकर्मी इस मामले की कार्रवाई की रिपोर्टिंग करते समय उचित संयम बरतेंगे। इस सम्बंध में न्यायालय के आदेशों की गरिमा और पवित्रता बनाए रखेंगे। एकल जज ने यह आदेश पूरे विवाद के वाद नंबर 18 में वकील द्वारा दायर आवेदन पर सुनवाई करते हुए पारित किया, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया में मामले की गलत रिपोर्टिंग पर संयम बरतने की मांग की गई। उल्लेखनीय है कि, हाईकोर्ट वर्तमान में मथुरा कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद से संबंधित कई मुकदमों की सुनवाई कर रहा है। इस विवाद में शाही ईदगाह मस्जिद को मथुरा में कटरा केशव देव मंदिर के साथ साझा किए गए 13.37 एकड़ के परिसर से हटाने की मांग की गई। अतिरिक्त प्रार्थनाओं में शाही ईदगाह परिसर पर कब्जा करने और वर्तमान संरचना को ध्वस्त करने की मांग शामिल है। पिछले साल मई में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भगवान श्रीकृष्ण विराजमान और सात अन्य द्वारा दायर स्थानांतरण आवेदन स्वीकार करते हुए कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद संबंधित विभिन्न राहतों के लिए प्रार्थना करते हुए मथुरा न्यायालय के समक्ष लम्बित सभी मुकदमों को अपने पास स्थानांतरित कर लिया था। इस साल जनवरी में, एकल न्यायाधीश ने मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद संबंधित 15 मुकदमों को एकीकृत करने का निर्देश दिया। यह आदेश हिंदू वादियों द्वारा सिविल प्रक्रिया संहिता के तहत दायर एक आवेदन पर *न्याय के हित में* पारित किया गया। इस साल अगस्त में हाईकोर्ट ने मथुरा स्थित शाही ईदगाह (मस्जिद) समिति द्वारा दायर आदेश 7 नियम 11 सीपीसी याचिका खारिज की, जिसमें मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद के संबंध में हिंदू उपासकों और देवता श्री कृष्ण विराजमान द्वारा दायर 18 मुकदमों की स्थिरता को चुनौती दी गई।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार पर मायावती ने भारत सरकार से दखल देने की मांग की

लखनऊ (हिंस)। बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ अत्याचार हो रहा है। मंदिर तोड़े जा रहे हें। इसको लेकर भारत देश में अलग-अलग राज्यों में विरोध-प्रदर्शन देखने को मिला रहा है। कांग्रेस समेत कई विपक्ष दल के नेताओं ने भी भारत सरकार से इस मामले में दखल देने को कहा है। अब बहुजन समाज पार्टी की नेता मायावती ने सरकार से हस्ताक्षेप करने की मांग की है।यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने मंगलवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि, पड़ोसी देश बांग्लादेश में तख्ता पलट हेने के बाद वहां की नई सरकार में खासकर हिंदू अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हो रहे हैं। हिंदुओं पर जुल्म-ज्याती आदि तथा उससे वां बिगड़ते हालात अति दुखद व चिंताजनक है।

इसको लेकर भारत के लोगों में काफी आक्रोश हैं। सरकार इस पर संसद में वक्तव्य दे व उचित कदम भी उठाए।

पप्पू यादव का चेहरा उजागर, हो भूमिका की जांच : संतोष कुशवाहा

पूर्णिया (हिंस)। पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा ने पूर्णिया पुलिस द्वारा पप्पू यादव को दी गई धमकी मामले का खुलासा किए जाने के बाद प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि लॉरेंस बिश्नोई की कथित और फर्जी धमकी की आड़ में सांसद पप्पू यादव की असली मंशा जेड सुरक्षा हासिल करना था जिसका अब खुलासा हो चुका है। उनका असली चेहरा उजागर हुआ है। संतोष कुशवाहा ने कहा कि उन्हें अपने कृत्यों के लिए पूर्णिया लोकसभा की जनता से माफी मांगनी चाहिए। हम मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक से मांग करते हैं कि अब तक जो लगभग दो दर्जन कथित धमकियां मिली है उसकी तो जांच हो। इस प्रकरण में सांसद पप्पू यादव की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए और जो भी दोषी हों, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। इस खुलासे के लिए पूर्णियां पुलिस को साधुवाद। पूर्व सांसद कुशवाहा ने कहा कि मैंने 22 नवंबर को ही राज्य सरकार से मांग किया था कि धमकी प्रकरण फेब्रिकेटेड है और उसकी उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए, जो अब सच साबित हुआ है। कुशवाहा ने कहा कि पूर्णियां के सांसद अपने ऊल-जलूल बयानों और गतिविधियों से पूर्णियां को पूरे देश मे बदनाम करने का काम किया है। विकास कार्यों का क्रेडिट लूटना, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के लिए अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करना, डपोरशंखी घोषणा करना उनकी आदतों

में शामिल है। कुशवाहा ने कहा कि ब्लफ मास्टर का अबतक का सबसे बड़ा ब्लफ पकड़ा गया है और इसपर विधिसम्मत कार्रवाई होनी चाहिए ताकि पूर्णियां की मान-सम्मान की रक्षा हो सके। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार आरोपी ने स्वीकार किया है कि सांसद के सहयोगियों द्वारा उन्हें धमकी देने की सुपारी दी गई थी।माननीय सांसद बताएं कि इसमें उनके कौन-कौन सहयोगी शामिल हैं और पर्दे की पीछे उनकी क्या भूमिका है।

गौ माता को राजमाता का दर्जा दे सरकार : नवीन जयहिन्द

रोहतक (हिंस)। पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु के घर के बाहर खूंटा गाड अभियान के तहत विरोध-प्रदर्शन करने को लेकर हुए दर्ज मामले में जयहिंद सेना प्रमुख नवीन जयहिंद व कृष्णा राठी को मंगलवार को माननीय जिला अदालत ने फैसला सुनाते हुए बरी कर दिया। बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए नवीन जयहिंद ने कहा कि उपरोक्त मामले में उन्होंने नौ, दस साल तारीखें भुगती है, बाइज्जत बरी करने पर उन्होंने न्यायापिलका एवं अधिवक्ता का भी आभार व्यक्ति किया। उन्होंने कहा कि आगे भी गौ माता को न्याय दिलाने के लिए उनका संघर्ष जारी रहेगा। साथ ही उन्होंने सरकार से भी गौ माता को राजमाता का दर्जा देने की मांग की और कहा कि सरकार को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि गौ माता सड़कों पर ना घूमे और इसके लिए उचित प्रबंध करना समाज व सरकार की नैतिक जिम्मेदारी भी है।

नीतीश मंत्रिमंडल की बैठक में 33 प्रस्तावों पर मुहर, जमीन सर्वेक्षण अवधि छह महीने बढ़ी

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री सचिवालय के कैबिनेट हॉल में दोपहर 12.05 बजे से चल रही नीतीश मंत्रिमंडल की बैठक संपन्न हो गई। इस बैठक में विभिन्न विभागों से जुड़े कुल 33 प्रस्तावों पर कैबिनेट की मुहर लगी है। सरकार ने जमीन सर्वे की अवधि को 06 महीना के लिए बढ़ा दिया है। राज्य में जमीन सर्वे को लेकर लोगों की परेशानी को देखते हुए सरकार ने बड़ी राहत दे दी है। सरकार ने सर्वे की अवधि को बढ़ाने का फैसला लिया है। लैंड सर्वे की टाइम लाइन में वृद्धि कर दी गई है। सरकार ने जमीन सर्वे की डेड लाइन को छह महीने बढ़ा दिया है। सेल्फ डेक्लियशन के लिए मिला 180 दिन, रैयत का दावा करने के लिए 60 दिन और दावे के निपटारा के लिए 60 दिन का समय मिलेगा। बिहार के शिक्षकों से जुड़े फैसले भी मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए। शिक्षा विभाग ने बिहार के सरकारी स्कूलों में अगले साल में होने वाली छुट्टियों का कैलेंडर जारी कर दिया है। जारी कैलेंडर के अनुसार अगले साल शिक्षकों को 72 छुट्टी मिलेगी। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले नीतीश सरकार ने शिक्षकों को खुश करने के लिए बड़ा फैसला लिया है। यहीं नहीं पूर्व एससीएस केके पाठक के समय शिक्षक जिस दिन या जिस पर्व त्योहार पर छुट्टी के लिए लगातार विरोध और आंदोलन कर रहे थे उस दिन भी उन्हें अब छुट्टी दी गई है। शिक्षा विभाग ने 6 जनवरी, 2025 से लेकर 31 दिसंबर, 2025 तक के छुट्टी का कैलेंडर जारी किया है। सबसे अहम बात है कि दशहरा में जहां शिक्षकों को एक छुट्टी मिल रही थी, वहीं अगले साल शिक्षकों को दशहरा में 5 दिन की छुट्टी मिलेगी। साथ ही छठ में भी शिक्षकों को दीपावली से लेकर छठ तक 10 दिनों की छुट्टी दी जाएगी। नीतीश कैबिनेट ने लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के अंतर्गत पंप ऑपरेटर के 493 पदों का सृजन कर दिया है। आयुर्वेदिक होम्योपैथिक अस्पताल में भोजन की व्यवस्था जीवका दीदी के द्वारा किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत बिहार उपचार्य शिक्षक संवर्ग नियमावली 2024 को मंजूरी दे दी गई है। बिहार परिचारिका संपर्क नियमावली-2024 को मंजूरी दे दी गई है। इसके अलावा जयप्रकाश नारायण विश्वविद्यालय के अंतर्गत कई पदों का सृजन किया गया।सामान्य प्रशासन विभाग के बिहार लोक परीक्षा अनुचित नियमावली के प्रारूप को स्वीकृति दे दी गई है अब बिहार में परीक्षा में कदाचार करना माफियाओं को भारी पड़ेगा। ऊर्जा विभाग के तीन बड़ी योजनाओं को मंजूरी दी गई है। भारत-नेपाल सीमा पर सड़क बनाने को मंजूरी दी गई है। गर्दनीबाग में मंत्री आवास परिषद में और भी आवास बनाए जाएंगे इसको लेकर मंजूरी दी गई है। इसके अलावा पटना के कंकड़बाग में शंकर नेत्रालय को जमीन दे दी गई है। यहां पर सुपर स्पेशलिटी आई हॉस्पिटल बनेगा यहां गरीब लोगों का इलाज होगा। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत संविदा पर आधारित नियोजित कर्मियों के वेतन का रास्ता साफ हो गया है। सहरसा में पर्यटन के विकास के लिए 98 करोड़ रुपए की मंजूरी मिली है। वित्त विभाग के अंतर्गत बिहार वित्त संशोधन नियमावली-2024 को मंजूरी मिली है। सूचना जनसंपर्क विभाग के जनसंपर्क एजेंसी का चयन को लेकर निविदा आमंत्रित करने को मंजूरी दी गई है। सूचना जनसंपर्क विभाग में सोशल मीडिया एजेंसी का चयन करने को लेकर निविदा का मंजूरी दी गई है। मंडल कारा, अरवल के निर्माण के लिए 38 करोड़ से अधिक की राशि को स्वीकृति दी गयी।

वित्त मंत्री ने लोकसभा में बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया

नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को लोकसभा में बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 को पेश किया। इस विधेयक में बैंक खाताधारक को अपने खाते में अधिकतम 4 नामांकित व्यक्ति रखने की अनुमति देने का प्रस्ताव है।

सीतारमण ने बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 को लोकसभा में पेश करते हुए सदन को बताया कि प्रस्तावित संशोधनों से भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में प्रशासन मजबूत होगा और इसके साथ ही नामांकन और निवेशकों की सुरक्षा के संबंध में उपभोक्ता और ग्राहकों की सुविधा बढ़ेगी। इस विधेयक में बैंक खाताधारक को अपने खाते में अधिकतम 4 नामांकित व्यक्ति रखने की अनुमति देने का प्रस्ताव है।

प्रस्तावित संशोधनों से भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में प्रशासन मजबूत होगा

सीतारमण ने इस विधेयक को लोकसभा में विचारार्थ और पारित करने के लिए पेश करते हुए कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम-1934, बैंकिंग विनियमन अधिनियम-1949, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम-1955, बैंकिंग कंपनियां (उपक्रमों का अधिग्रहण और हस्तांतरण) अधिनियम-1970 और बैंकिंग कंपनियां (उपक्रमों का अधिग्रहण और हस्तांतरण) अधिनियम, 1980 में बदलाव लाने के लिए कुल 19 संशोधन प्रस्तावित किए जा रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि इस विधेयक में दावा न किए गए लाभांश, शेयर और ब्याज या बांड के मोचन को निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष में स्थानांतरित करने का भी प्रावधान है, जिससे व्यक्तियों को इस कोष से स्थानांतरण या रिफंड का दावा करने की अनुमति मिलेगी। इससे निवेशकों के हितों की रक्षा होगी। इस विधेयक के उद्देश्यों और कारणों के मुताबिक बैंकिंग क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों में काफी विकास हुआ है। इसको देखते हुए बैंक प्रशासन तथा निवेशक संरक्षण में सुधार के उद्देश्य से पांच अधिनियमों में कुछ संशोधन करना जरूरी हो गया है।

न्यूज ब्रीफ

लगातार तीसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी की बड़ी छलांग

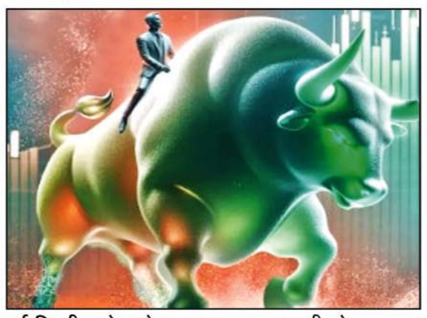

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे कारोबारी दिन मजबूती के साथ बंद हुआ। के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। हालांकि शुरुआती कारोबार में बिकवाली का दबाव बनने की वजह से शेयर बाजार की चाल में गिरावट भी आई लेकिन पहले 15 मिनट के कारोबार के बाद ही तेजड़ियों ने बाजार में अपना जोर बना दिया। तेजड़ियों की ओर से लगातार हो रही लिवाली की वजह से शेयर बाजार की चाल में तेजी आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.74 प्रतिशत और निफ्टी 0.75 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। दिनभर के कारोबार के दौरान पीएसयू बैंक, मीडिया, ऑयल एंड गैस और मेटल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसी तरह पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, टेक, हेल्थ केयर, कंज्यूमर ड्यूरेबल, ऑटोमोबाइल और आईटी इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, एफएमसीजी और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.92 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.03 प्रतिशत की मजबूती के साथ के कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद बढ़ कर 453.41 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 449.69 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 3.72 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,067 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,738 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,227 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 102 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,509 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,850 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 659 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 25 शेयर बढ़त के साथ और 5 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 41 शेयर हरे निशान में और 9 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 281.12 अंक की मजबूती के साथ 80,529.20 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से ये सूचकांक गिर कर लाल निशान में 80,244.78 अंक तक पहुंच गया। इस गिरावट के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया। लगातार हो रही लिवाली की वजह से सेंसेक्स की चाल में तेजी आ गई। का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 701.02 अंक की बढ़त के साथ 80,949.10 अंक के स्तर तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 597.67 अंक की मजबूती के साथ 80,845.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 91.45 अंक उछल कर 24,367.50 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली के दबाव की वजह से ये सूचकांक पहले 15 मिनट में ही गिर कर 24,280 अंक के स्तर तक पहुंच गया, लेकिन इसके बाद खरीदारी के सपोर्ट से इस सूचकांक ने रफ्तार पकड़ ली।

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के शेयरों ने शेयर बाजार में जबरदस्त प्रदर्शन किया

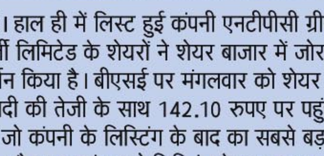

मुंबई। हाल ही में लिस्ट हुई कंपनी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के शेयरों ने शेयर बाजार में जोरदार प्रदर्शन किया है। बीएसई पर मंगलवार को शेयर 10 फीसदी की तेजी के साथ 142.10 रुपए पर पहुंच गए, जो कंपनी के लिस्टिंग के बाद का सबसे बड़ा उछाल है। 27 नवंबर को लिस्टिंग के बाद यह पहला मौका है जब कंपनी के शेयरों में अपर सर्किट लगा। सोमवार को शेयर 129.20 रुपए पर बंद हुए थे, जिससे निवेशकों को मिले शानदार रिटर्न। शेयर अब तक 31 फीसदी की वृद्धि दर्ज कर चुके हैं। ग्रीन एनर्जी सेक्टर में बढ़ते निवेश और कंपनी की मजबूत स्थिति के कारण विश्लेषकों का मानना है कि कंपनी के शेयरों में और भी तेजी जारी रह सकती है। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का बाजार पूंजीकरण 1.19 लाख करोड़ रुपए के पार चला गया है, जो दर्शाता है कि इसकी मान्यता बाजार में बढ़ती जा रही है। शेयर के स्थिर ग्रोथ और निवेशकों के विश्वास के साथ, एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी ने अपने आईपीओ से कुल 10,000 करोड़ रुपए जुटाए थे, जो इसके भविष्य की रोशनी में और भी उजागर करता है।

वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने की यात्रा

भारत दुनिया के शीर्ष 10 उच्च मूल्य वाले उत्पादों के निर्यातकों में शामिल

नई दिल्ली

India's Global Export Landscape

Global Rank

Sr. No.	4HS Code	Description	Global Rank 2014	Global Rank 2023
1	7104	Precious & Semi-Precious Stones	11	1
2	2710	Petroleum Oils & Oils obtained from Bituminous Minerals	5	2
3	1701	Cane or Beet Sugar	4	2
4	3808	Insecticides, Rodenticides, Fungicides & Similar Products	5	3
5	2707	Other Coal Tar Distillation Products	14	4

वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने की यात्रा में भारत ने कई प्रमुख उत्पाद श्रेणियों के निर्यात में तीव्र वृद्धि दर्ज की है। देश ने वर्ष 2023 में 1 अरब डॉलर से ज्यादा के निर्यात मूल्य के साथ शीर्ष दस वैश्विक आपूर्तिकर्ताओं में अपनी रैंक को बनाए रखने के साथ-साथ इसमें सुधार किया है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक कीमती पत्थरों के वैश्विक बाजार पर अपना दबदबा बनाने से लेकर सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रिकल कंपोनेंट जैसे उन्नत क्षेत्रों में पैठ बनाने तक भारत का निर्यात प्रदर्शन देश की बढ़ती आर्थिक ताकत को दर्शाता है। मंत्रालय ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर पर देश के रणनीतिक फोकस ने प्रभावशाली परिणाम दिए हैं।

आंकड़ों से पता चलता है कि 2014 में निर्यात 0.23 अरब डॉलर से बढ़कर 2023 में 1.91 अरब डॉलर हो गया है, जिससे वैश्विक बाजार में 1.40 फीसदी की हिस्सेदारी हासिल हुई, जिससे 9वां स्थान हासिल हुआ, जो 2014 में 20वें स्थान से महत्वपूर्ण उछाल है। यह प्रगति वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला में भारत की बढ़ती भूमिका को उजागर करती है, जिससे घरेलू विनिर्माण और नवाचार को बढ़ाने के प्रयासों से समर्थन मिलता है।

मंत्रालय के मुताबिक कीमती और अर्ध-कीमती पत्थरों के निर्यात में भारत ने खुद को विश्व नेता के रूप में स्थापित किया है, जिसकी वैश्विक हिस्सेदारी वर्ष 2014 में 2.64 अरब से बढ़कर वर्ष 2023 में 36.53 फीसदी हो गई। इसके साथ ही 1.52 अरब डॉलर के मूल्य के निर्यात ने भारत की सदियों पुरानी शिल्पकला और रत्न प्रसंस्करण में आधुनिक तकनीक को अपनाने को उजागर किया है।

आंकड़ों के अनुसार इलेक्ट्रिक मोटर और जनरेटर के पुर्जों के निर्यात में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज गई है, जो 2023 में 1.15 अरब डॉलर तक पहुंच गई है, जिसकी वैश्विक हिस्सेदारी 4.86 फीसदी है, जिससे भारत 2014 में 21वें स्थान से छठे स्थान पर पहुंच गया है। ये वृद्धि अक्षय ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहन घटकों की बढ़ती वैश्विक मांग के अनुरूप है, जो भारत को इस परिवर्तनकारी उद्योग में एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करती है। मंत्रालय के मुताबिक पेट्रोलियम क्षेत्र (पेट्रोलियम तेल और बिटुमिनस खनिजों से प्राप्त तेल) में नाटकीय वृद्धि देखी गई है, जिसमें निर्यात मूल्य 2014 में 60.84 अरब डॉलर से बढ़कर 2023 में 84.96 अरब डॉलर हो गया है, जिससे वैश्विक बाजार में इसकी हिस्सेदारी 12.59 फीसदी हो गई है। इस महत्वपूर्ण छलांग ने भारत को उन्नत रिफाइनिंग इंफ्रास्ट्रक्चर द्वारा संचालित दूसरे सबसे बड़े वैश्विक निर्यातक के स्थान पर पहुंचा दिया है।

आंकड़ों के मुताबिक 2023 तक देश का निर्यात 4.32 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो 2014 में 5.89 फीसदी से बढ़कर 10.85 फीसदी की वैश्विक बाजार हिस्सेदारी को दर्शाता है। अनुसंधान और विकास में निवेश अंतरराष्ट्रीय कृषि मानकों के अनुपालन के साथ भारत को वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक बना दिया है। यह वृद्धि टिकाऊ कृषि को समर्थन देने में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है। भारत के चीनी निर्यात में भी असाधारण वृद्धि देखी गई है। गन्ना या चुकंदर चीनी के वैश्विक बाजार में देश की हिस्सेदारी 2014 में 4.31 फीसदी से बढ़कर 2023 में 12.21 फीसदी हो गई है। निर्यात मूल्य 2023 में 3.72 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिससे भारत की दूसरे सबसे बड़े चीनी निर्यातक के रूप में स्थिति मजबूत हुई। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र ने उल्लेखनीय प्रगति दिखाई है, जो विद्युत ट्रांसफार्मर और संबंधित घटकों के निर्यात में परिलक्षित होती है, जो 2014 में 1.08 अरब डॉलर से बढ़कर 2023 में 2.85 अरब डॉलर हो गया। भारत की वैश्विक बाजार हिस्सेदारी 2023 में बढ़कर 2.11 फीसदी हो गई, यह 2014 में 17वें स्थान से बढ़कर 10वें स्थान पर है। भारत ने रबर न्यूमेटिक टायर निर्यात में उल्लेखनीय प्रगति की है, जो 2023 में 2.66 अरब डॉलर तक पहुंच गया। इसकी वैश्विक बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 3.31 फीसदी हो गई, जिससे यह 8वें स्थान पर पहुंच गया, जो 2014 में 14वें स्थान से उल्लेखनीय छलांग है। इसके अलावा कोल टार डिस्टिलेशन उत्पादों का भारत का निर्यात 2023 में 1.71 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिससे वैश्विक बाजार में 5.48 फीसदी की हिस्सेदारी हासिल हुई और औद्योगिक मूल्य श्रृंखलाओं में इसके महत्व को दर्शाते हुए वैश्विक स्तर पर चौथा स्थान हासिल हुआ। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक भारत अपने निर्यात पोर्टफोलियो में वैश्विक उपस्थिति को मजबूत करता है, जो 2047 तक वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तैयार है। यह वृद्धि भारत के गुणवत्ता, लागत प्रतिस्पर्धात्मकता और विविध बाजारों, विशेष रूप से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में सेवा करने की क्षमता पर जोर देती है। इसी तरह, नल, वाल्व और औद्योगिक उत्पादों का निर्यात 2023 में 2.12 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिससे वैश्विक बाजार में 2.16 फीसदी की हिस्सेदारी हासिल हुई और भारत को वैश्विक स्तर पर 10वां स्थान मिला है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशियाई बाजारों में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से आज पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल सपाट स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान आमतौर पर खरीदारी का जोर बना रहा। एशियाई बाजारों में भी आज तेजी का रुख बना हुआ है।

टेक शेयरों में आई तेजी के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा। नैस्डेक और एसएंडपी 500 इंडेक्स रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुए। इस साल जनवरी से लेकर अभी तक एसएंडपी 500 इंडेक्स 54 बार मजबूती का नया रिकॉर्ड बना चुका है। पिछले सत्र के कारोबार के दौरान एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,047.15 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 185.38 अंक यानी 0.96 प्रतिशत उछल कर 19,403.55 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 1.01 अंक की सांकेतिक बढ़त के साथ 44,783.01 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,312.89 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 7,236.89 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 307.17 अंक यानी 1.54 प्रतिशत की जोरदार बढ़त के साथ 19,933.62 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी आज खरीदारी का रुख बना हुआ है। एशिया के सभी 9 बाजारों के सूचकांक आज मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.09 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,444 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 0.36 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,619.91 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। निक्केई इंडेक्स ने आज जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 879.43 अंक यानी 2.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ 39,392.45 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 1.72 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,496.63 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

ताइवान वेटेड इंडेक्स भी आज जोरदार मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। फिलहाल ये सूचकांक 350.19 अंक यानी 1.54 प्रतिशत उछल कर 23,087.12 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

नवंबर में बेरोजगारों की संख्या 34 लाख घटी, पांच लाख को ही मिला रोजगार

नई दिल्ली

देश में बेरोजगारी दर में नवंबर महीने में थोड़ी कमी देखने का अनुमान है, लेकिन बेरोजगारों की संख्या में एक बड़ी गिरावट आई है। अक्टूबर महीने में देश में 8.7 फीसदी बेरोजगारी दर थी, जो नवंबर में 8 फीसदी हो गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर में बेरोजगारों की संख्या में 34 लाख की गिरावट देखने को मिली है। केवल 5 लाख लोगों को ही रोजगार मिल पाया। इस डेटा के मुताबिक, श्रम बाजार गिरावट के बावजूद ठंडा पड़ गया है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इसमें त्योहारों का असर भी हो सकता है। नवंबर महीने में करीब 29 लाख लोगों ने श्रम बाजार छोड़ दिया। देश में अक्टूबर महीने में 3.97 करोड़ बेरोजगार थे, जो नवंबर में 3.62 करोड़ रह गई है। बेरोजगारी से ग्रस्त लोगों में से 30 लाख लोगों ने रोजगार की तलाश बंद कर दी है, लेकिन इन्हें फिर से रोजगार मिलने की उम्मीद है। दिसंबर में अतिरिक्त रोजगार देने की उम्मीद है, लेकिन बेरोजगारी दर का अधिक होने का खतरा भी बना रहेगा। देश में बेरोजगारी दर अक्टूबर में 8.7 फीसदी के उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद नवंबर, 2024 में घटकर 8 फीसदी रह गई। इस दौरान बेरोजगारों की संख्या में 34 लाख की बड़ी गिरावट देखने को मिली, जबकि रोजगार सिर्फ पांच लाख लोगों को ही मिला। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले माह घटने के बावजूद बेरोजगारी दर अब भी अधिक है। नवंबर लगातार दूसरा महीना रहा, जब बेरोजगारी दर 8 फीसदी या उससे अधिक रही है।

मॉर्गन स्टेनली ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 6.3 फीसदी किया

2024-25 के लिए विकास दर का अनुमान 6.7 फीसदी से घटाकर किया 6.3 फीसदी

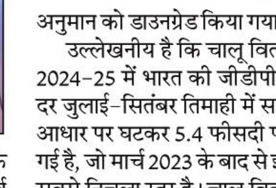

नई दिल्ली

बहुराष्ट्रीय निवेश बैंक और वित्तीय सेवा कंपनी मॉर्गन स्टेनली ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अपने पूर्वानुमान को 6.7 फीसदी से घटाकर 6.3 फीसदी कर दिया है।

मॉर्गन स्टेनली ने मंगलवार को चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अपने अनुमान को फिर से घटाकर 6.3 फीसदी कर दिया है, जो इसके पहले के 6.7 फीसदी के अनुमान से कम है। बहुराष्ट्रीय वित्तीय सेवा कंपनी ने जुलाई-सितंबर तिमाही में भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट सात तिमाहियों के निचले स्तर 5.4 फीसदी पर पहुंचने के कुछ दिनों बाद यह कदम उठाया है। इससे पहले मॉर्गन स्टेनली ने नवंबर की शुरुआत और दूसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़ों से पहले वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के विकास दर का लक्ष्य घटाकर 6.7 फीसदी कर दिया था। बहुराष्ट्रीय वित्तीय सेवा कंपनी ने कहा कि सितंबर 2024 को समाप्त तिमाही में भारत के विकास दर में मंदी के बाद जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को डाउनग्रेड किया गया है।

उल्लेखनीय है कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर जुलाई-सितंबर तिमाही में सालाना आधार पर घटकर 5.4 फीसदी पर आ गई है, जो मार्च 2023 के बाद से इसका सबसे निचला स्तर है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में देश की आर्थिक वृद्धि दर 6.7 फीसदी रही थी। हालांकि, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आर्थिक वृद्धि दर 7.2 फीसदी रहने का अनुमान जताया है।

सर्राफा बाजार : लगातार तीसरे दिन सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन सोने और चांदी के भाव में कमजोरी दर्ज की गई है। सोने 600 रुपये से 650 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। इसी तरह चांदी के भाव में भी 400 रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट आई है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,500 रुपये से लेकर 77,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,050 रुपये से लेकर 70,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 91,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,400 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 70,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,350 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 70,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,400 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 70,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी गिरावट के कारण सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 77,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 70,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

अमेरिका ने चीन की और कंपनियों पर कसी लगाम

बैंकॉक। अमेरिका के वाणिज्य मंत्रालय ने अपनी निर्यात नियंत्रण पहल का विस्तार करते हुए चीन की और कंपनियों पर लगाम कसने की तैयारी कर ली है। इसमें कंप्यूटर चिप, चिप बनाने के उपकरण तथा सॉफ्टवेयर बनाने वाले उपकरण बनाने वाली कई कंपनियां शामिल हैं।

इस तथाकथित इकाई सूची में शामिल की गई 140 कंपनियों में से करीब सभी चीन में स्थित हैं। हालांकि जापान, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर में चीनी स्वामित्व वाली कुछ कंपनियों को भी इसमें शामिल किया गया है। इन कंपनियों के इकाई सूची में शामिल होने से तात्पर्य है कि इनके साथ व्यापार करने की कोशिश करने वाली किसी भी अमेरिकी कंपनी को निर्यात लाइसेंस देने से इनकार कर दिया जाएगा।

संशोधित नियम सोमवार को अमेरिकी संघीय रजिस्टार की वेबसाइट पर साझा किए गए। नियम चीन को उच्च बैंडविड्थ मेमोरी चिप के निर्यात को भी सीमित करते हैं।

कृत्रिम मेधा जैसे उन्नत अनुप्रयोगों में भारी मात्रा में डेटा को संसाधित करने के लिए ऐसी चिप की आवश्यकता होती है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने इसका विरोध जताया और कहा कि वह अपने 'अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए काम करेगा।

डेक्कन ग्लेडियेटर्स ने तीसरी बार जीता अबू धाबी टी10 का खिताब

अबू धाबी

डेक्कन ग्लेडियेटर्स ने सोमवार देर रात मॉरिसविले सैंप आर्मी को 8 विकेट से हराकर तीसरी बार 2024 अबू धाबी टी10 टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया है।

जायद क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए खिताबी मुकाबले में 105 रनों का पीछा करते हुए, ग्लेडियेटर्स ने तीन ओवर शेष रहते हुए 8 विकेट से जीत हासिल कर ली।

105 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ग्लेडियेटर्स की टीम को सलामी बल्लेबाज इंग्लैंड के बल्लेबाज टॉम कोहलर-कैडमोर ने अच्छी शुरुआत दिलाई और पहले ही ओवर में कप्तान रोहन मुस्तफा के ओवर में लगातार चार चौके लगाए, जबकि उनके सलामी जोड़ीदार और कप्तान निकोलस पूरन पाकिस्तान के स्पिनर इमाद वसीम पर हावी रहे। ग्लेडियेटर्स ने तीसरे ओवर में 20 रन बटोरे और 50 रन के आंकड़े को पार कर लिया। उनकी इस पारी की बदौलत ग्लेडियेटर्स ने 7 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया।

तेज गेंदबाज इसुरु उदाना की गेंद पर मुस्तफा ने डीप में पूरन का शानदार कैच पकड़कर उनकी पारी का अंत किया। पूरन ने 10 गेंदों में 28 रन बनाए। लेकिन इससे सैम्प आर्मी को वास्तव में मदद नहीं मिली क्योंकि कैडमोर ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी और अर्धशतक लगाया। इससे पहले, मॉरिसविले सैम्प आर्मी को वास्तव में वह शुरुआत नहीं मिल पाई जो वे चाहते थे और नियमित रूप से विकेट खोते रहे और एक समय वे 81 रन पर 5 विकेट खोकर संघर्ष कर रहे थे। अफ़ग़ानिस्तान के करीम जन्नत ने पारी के अंतिम ओवरों में 8 गेंदों में 16 रन बनाए, जिससे सैम्प आर्मी ने 10 ओवरों में 7 विकेट पर 104 रन बनाए। फाफ डु प्लेसिस ने सर्वाधिक 23 गेंदों में 34 रन बनाए, जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज एंड्रीज़ गौस ने 9 गेंदों में 21 रन बनाए।

लेवर कप 2025: कार्लोस अल्काराज और टेलर फ्रिट्ज़ टूर्नामेंट के पहले खिलाड़ी घोषित

नई दिल्ली। कार्लोस अल्काराज और टेलर फ्रिट्ज़, लेवर कप के आठवें संस्करण के लिए पहले खिलाड़ी हैं, जिसका आयोजन 19-21 सितंबर, 2025 तक सैन फ्रांसिस्को के चेस सेंटर में किया जाएगा। हाल ही में बर्लिन में हुए लेवर कप 2024 में स्पेन के अल्काराज और अमेरिकी फ्रिट्ज़ ने टेनिस प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके बीच हुए इस रोमांचक मैच में अल्काराज विजयी हुए और प्रतियोगिता के 12वें मैच में टीम यूरोप की जीत पक्की हो गई। जैसे ही टीम यूरोप ने जीत हासिल की, इसने अगले साल के टूर्नामेंट में इन दो उभरते सितारों के बीच फिर से प्रतिद्वंद्विता के लिए मंच तैयार कर दिया। महज 21 साल की उम्र में, अल्काराज ने टेनिस इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है। 2022 में, वह यूएस ओपन में सबसे कम उम्र के विश्व नंबर 1 और पहले किशोर ग्रैंड स्लैम चैंपियन बन गए। कई एटीपी खिताब, दो विंबलडन चैंपियनशिप (2023 और 2024), एक रोलैंड गैरोस खिताब (2024) और एक ओलंपिक रजत पदक के साथ उनकी तेजी से बढ़ती लोकप्रियता जारी रही है।

न्यूज़ ब्रीफ

ओलंपिक चैंपियन विक्टर एक्सेलसेन पैर की चोट के कारण बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल से बाहर

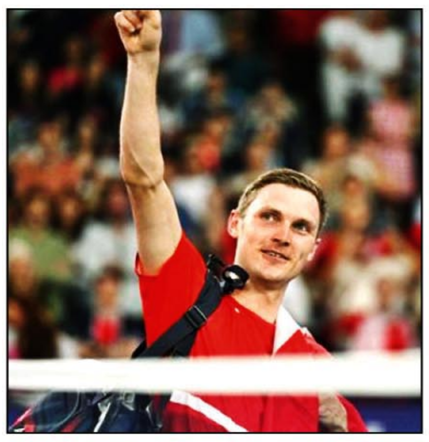

नई दिल्ली। डेनिश बैडमिंटन स्टार विक्टर एक्सेलसेन 13 से 17 दिसंबर, 2024 तक हांगझू, चीन में खेले जाने वाले बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल में हिस्सा नहीं लेंगे। एक्सेलसेन ने सोशल मीडिया पर उक्त घोषणा की। एक्सेलसेन ने एक्स पर लिखा, दुर्भाग्य से मैं इस दिसंबर में एचएसबीसी वर्ल्ड टूर फ़ाइनल में भाग लेने में असमर्थ हूँ। मैं अपने बाएं पैर में चोट से जूझ रहा हूं, जिससे मुझे कई समस्याएं हो रही हैं और दीर्घकालिक समस्याओं से बचने के लिए मुझे तुरंत इससे निपटने की सलाह दी गई है। दो बार के विश्व चैंपियन एक्सेलसेन ने इस साल जुलाई में ओलंपिक खेलों में अपने पुरुष एकल स्वर्ण पदक का बचाव किया, उन्होंने थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसर्न को दो गेम में आसानी से हराया। उन्होंने सितंबर में हांगकांग ओपन में अपना शानदार फॉर्म जारी रखा और चीन के लेई लांक्सी को हराकर 27 वर्षों में पुरुष एकल खिताब जीतने वाले पहले डेनिश खिलाड़ी बन गए। उन्होंने कहा, मैं हांग्जो में नहीं खेल पाने से बहुत निराश हूं। पांच बार टूर्नामेंट जीतने के बाद और दौरे पर यह मेरे पसंदीदा टूर्नामेंटों में से एक होने के कारण इसे छोड़ना कठिन हो गया है। हालाँकि मेरी पहली प्राथमिकता प्रतिस्पर्धा से पहले 100 प्रतिशत स्वस्थ होना है।

ब्रजेश ने शानदार गेंदबाजी के साथ ही की धुआंधार बल्लेबाजी, लखनऊ एकेडमी ने जीता मैच

लखनऊ। बाबू बनारसी दास क्रिकेट लीग के सी डिवीजन में लखनऊ क्रिकेट एकेडमी ने आर.के. सीनियर सेकेंड्री क्लब को सात विकेट से हरा दिया। इस मैच में ब्रजेश सिंह ने शानदार गेंदबाजी के साथ ही धुआंधार बल्लेबाजी भी की। सीनियर सेकेंड्री ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर में 205 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज शिवम ने 16 रन का योगदान दिया। वहीं अश्वनी कुमार ने 35 रन बनाये, जबकि सौनिक मित्रा ने 28 रन का योगदान दिया। वहीं लखनऊ क्रिकेट एकेडमी ने तीन विकेट खोकर 206 रन बना लिये और सात विकेट से मैच को जीत लिया। सलामी बल्लेबाज अक्षत मात्र एक रन बनाकर आउट हो गये। वहीं सैयद लबीब राजा ने नौ चौके और एक छक्के की मदद से 65 रन बनाये। ब्रजेश सिंह ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 12 चौके और एक छक्के की मदद से 47 बाल पर 62 रन बनाये। ब्रजेश ने गेंदबाजी करते हुए भी पांच विकेट झटके, वहीं अंकित पाल ने 54 रन का योगदान दिया।

ऑस्ट्रेलियाई डेविस कप के दिग्गज नील फ्रेजर का 91 वर्ष की आयु में निधन

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई डेविस कप चैंपियन नील फ्रेजर, जिन्होंने चार बार डेविस कप जीता और ग्रैंड स्लैम में ट्रिपल क्राउन - एकल, युगल और मिश्रित युगल खिताब जीतने वाले अंतिम खिलाड़ी थे- का 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। फ्रेजर के परिवार में उनकी पत्नी थिया हैं। ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ने अपने शानदार करियर में ग्रैंड स्लैम में एकल और युगल दोनों में 19 खिताब जीते, लेकिन यह डेविस कप था जिसने उन्हें खेल का दिग्गज बना दिया। उन्होंने अपने देश को लगातार चार डेविस कप खिताब (1959, 1960, 1961, 1962) दिलाए और 24 वर्षों तक गैर-खिलाड़ी कप्तान रहे। उन्हें 1984 में इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम और 10 साल बाद ऑस्ट्रेलियाई टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया था। 2008 में, फ्रेजर को टेनिस में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए आईटीएफ के फिलिप चैटरियर पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

आईटीटीएफ मिश्रित टीम विश्व कप

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 8-6 से हराया, नॉकआउट चरण में पहुंचने में असफल

नई दिल्ली

भारत ने मंगलवार को चीन के चेंगदू में आईटीटीएफ मिश्रित टीम विश्व कप के अपने अंतिम ग्रुप 1 मैच में ऑस्ट्रेलिया को 8-6 से हरा दिया। हालांकि जीत के बावजूद भारत नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई करने में असफल रहा।

इससे पहले, भारत टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में अमेरिका से 3-8 से और दूसरे मैच में चीन से 0-8 से हार गया था। कुल आठ गेम जीतने वाली पहली टीम मैच जीतती है।

जहां चीन तीन मैचों में तीन जीत के साथ ग्रुप में शीर्ष पर रहा, वहीं अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और भारत एक-एक जीत के साथ दूसरे स्थान पर रहे। हालाँकि, जीते गए खेलों और हारे हुए खेलों के बेहतर अनुपात के कारण अमेरिकी दूसरे स्थान पर रहे और नॉकआउट के लिए योग्य रहे।

भारत ने शरथ कमल, मनिका बत्रा और श्रीजा अकुला जैसे उच्च रैंकिंग वाले खिलाड़ियों के बिना टूर्नामेंट खेला।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरुआती मिश्रित युगल मैच में पृथा वर्तिकर और जीत चंद्रा को फिन लू और जियान फैंग ले के खिलाफ 2-1 (11-8, 11-3, 8-11) से हार का सामना करना पड़ा।

महिला एकल में कॉन्स्टेंटिना साइहोगियोस ने यशस्विनी घोरपड़े को 2-1 (13-11, 10-12, 11-6) से हराया।

इसके बाद स्नेहित सुरवज्जुला ने पुरुष एकल में निकोलस लुम को 2-1 (11-6, 9-11, 11-7) से हराकर भारतीय वापसी की शुरुआत की। सुरवाज्जुला और चंद्रा ने पुरुष युगल में लुउ और लुम को 2-1 (11-8, 10-12, 11-9) से हराया।

निर्णायक महिला युगल में वर्तिकर और घोरपड़े ने साइहोगियोस और ले पर 2-0 (11-8, 11-7) की जीत के साथ मुकाबला समाप्त किया।

भारतीय टीम में मानुष शाह, मानव ठक्कर, पोयमंती बैस्या और सयाली वानी भी थे।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम एशिया कप के लिए ओमान रवाना

बेंगलुरु। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम प्रतिष्ठित महिला जूनियर एशिया कप 2024 के लिए मंगलवार सुबह केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से मस्कट ओमान के लिए रवाना हुई। जूनियर एशिया कप जो एफआईएच जूनियर विश्व कप के लिए क्वालीफाइंग इवेंट है, 7 दिसंबर से 15 दिसंबर 2024 तक मस्कट, ओमान में आयोजित होने वाला है। भारतीय जूनियर महिला टीम पूल ए में चीन, मलेशिया, थाईलैंड और बांग्लादेश से भिड़ेगी जबकि पूल बी में दक्षिण कोरिया, जापान, चीनी ताइपे, हांगकांग और श्रीलंका शामिल होंगे। गत चैंपियन के रूप में, भारत के अभियान की अगुवाई कप्तान ज्योति सिंह के साथ-साथ उप-कप्तान साक्षी राणा करेंगी और टीम में ऐसे खिलाड़ी भी शामिल हैं जिनके पास सीनियर टीम के साथ खेलने का अनुभव है जैसे वैष्णवी विट्ठल फाल्के, सुनेलिता टोप्पो, मुमताज खान, दीपिका और ब्यूटी डुंगडुंग जबकि टीम के कोच भारत के पूर्व कप्तान तुषार खांडकर हैं। टीम रवानगी से पहले ज्योति सिंह ने कहा, हम अपने अभियान को लेकर बहुत आश्वस्त और उत्साहित हैं। हमारे पास एक अच्छी, अनुभवी टीम है। हमने पिछले कुछ महीनों में कड़ी मेहनत की है और टीम मस्कट, ओमान में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए काफी उत्सुक है। उप कप्तान साक्षी राणा ने कहा, यह देखकर खुशी हो रही है कि भारतीय जूनियर पुरुष टीम नॉकआउट चरण में प्रवेश कर रही है और वे खिताब की ओर बढ़ रहे हैं। हम उनके मैचों पर नजर रख रहे हैं और बाकी मैचों में हम उनका हौसला बढ़ाने के लिए वहां मौजूद रहेंगे। हम भारतीय हॉकी प्रशंसकों से आग्रह करते हैं कि वे हमें खेलते हुए देखें और हमारा उत्साह बढ़ाएं। मस्कट में एक बड़ा भारतीय समुदाय है, हमें उम्मीद है कि वे हमारा उत्साह बढ़ाने आएंगे। भारत 8 दिसंबर को बांग्लादेश के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगा।

सिक्किम उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश प्रमोद कोहली आईजीयू चुनाव के रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त

नई दिल्ली

भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) के चुनाव 15 दिसंबर को होंगे। संघ के द्विवार्षिक चुनावों के लिए सिक्किम उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश प्रमोद कोहली को रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) नियुक्त किया गया है। अध्यक्ष बृजिंदर सिंह के नेतृत्व वाली मौजूदा गवर्निंग काउंसिल का कार्यकाल समाप्त होने के साथ, 2024-2026 की अवधि के लिए नए पदाधिकारियों का चुनाव किया जाएगा।

चुनाव के लिए नए आरओ की नियुक्ति इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश - न्यायमूर्ति ओपी गर्ग के इस्तीफे के बाद हुई है।

आईजीयू के अध्यक्ष बृजिंदर सिंह ने सभी राज्य गोल्फ संघों (एसजीए) को एक आधिकारिक ईमेल में कहा, राष्ट्रीय खेल विकास संहिता 2011 के अनुसार मेरे पास निहित शक्तियों और भारतीय गोल्फ संघ की गवर्निंग काउंसिल के बहुमत द्वारा अनुमोदित होने के साथ, मैंने 15 दिसंबर 2024 को आईजीयू चुनाव आयोजित करने के लिए न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) प्रमोद कोहली को रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया है। नया चुनाव कार्यक्रम और अन्य निर्देश रिटर्निंग ऑफिसर न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) प्रमोद कोहली द्वारा उचित समय पर सभी हितधारकों को भेज दिए जाएंगे।

न्यायमूर्ति गर्ग द्वारा 25 नवंबर (सोमवार) को आईजीयू उपनियमों का पालन नहीं करने के लिए पांच राज्य गोल्फ संघों (एसजीए) - हिमाचल प्रदेश प्रोम गोल्फ एसोसिएशन, अरुणाचल प्रदेश गोल्फ एसोसिएशन, मध्य प्रदेश गोल्फ एसोसिएशन, नागालैंड गोल्फ एसोसिएशन और सिक्किम स्टेट गोल्फ एसोसिएशन - को निलंबित करने के 24 घंटे के भीतर अपने आदेश को पलटने के बाद काफी हंगामा हुआ। उपर्युक्त एसजीए को चुनाव प्रक्रिया का हिस्सा बनने की अनुमति नहीं है।

नए चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, सभी पात्र एसजीए को 6 दिसंबर तक नामांकन दाखिल करना होगा, जिसके बाद नए आरओ उम्मीदवारों की जांच करेंगे और 10 दिसंबर तक चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की अंतिम सूची तैयार करेंगे। एसजीए को तब तक अपने किसी भी उम्मीदवार को वापस लेने की आजादी होगी। 15 दिसंबर को चुनाव होंगे और नतीजे भी उसी दिन घोषित हो जाएंगे।

बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए ग्रीव्स, जंगू वेस्टइंडीज की टीम में शामिल

नई दिल्ली

विकेटकीपर बल्लेबाज आमिर जंगू को बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की वनडे टीम में पहली बार शामिल किया गया है। ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स की भी वनडे टीम में वापसी हुई है, जिन्हें पिछले महीने की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज से बाहर रखा गया था।

जंगू और ग्रीव्स दोनों को घरेलू सुपर 50 एकदिवसीय टूर्नामेंट में उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया है। यह टूर्नामेंट पिछले महीने के अंत में असाधारण परिस्थितियों में संपन्न हुआ था, जब दो फाइनलिस्ट, बारबाडोस प्राइड और जमैका स्कॉर्पियन्स ने टॉस के लिए नहीं आने और फाइनल को छोड़ने का फैसला किया था।

त्रिनिदाद और टोबैगो के लिए खेलने वाले जंगू ने टूर्नामेंट में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के तौर पर सात पारियों में 89.20 की औसत से 446 रन बनाए, जिसमें तीन अर्द्धशतक और एक शतक शामिल है।

इस बीच, ग्रीव्स रन बनाने की सूची में दूसरे स्थान पर रहे, उन्होंने पांच पारियों में 133.66 की औसत से 401 रन बनाए, जिसमें तीन बैक टू बैक शतक शामिल हैं। उन्होंने पिछले हफ़्ते बांग्लादेश के खिलाफ़ पहले मैच में अपना पहला टेस्ट शतक भी लगाया था, जिसे वेस्टइंडीज़ ने 201 रन से जीता था।

वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डेरेन सैमी ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहा, ग्रीव्स शीर्ष छह में कहीं भी बल्लेबाजी करने में सक्षम हैं और टीम में वह वास्तविक ऑलराउंड क्षमता लाते हैं, जिसका इस स्तर पर स्वागत किया जाता है। सीजी यूनाइटेड सुपर 50 में जंगू की कुशलता हमारी बल्लेबाजी इकाई में एक और आयाम लाने के लिए उनके लचीलेपन को दर्शाती है।

वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला 2-1 से जीतने वाली टीम से हेडन वॉल्श और ज्वेल एंड्रयू को बाहर रखा है।

विज्ञप्ति में आगे कहा गया है कि एंड्रयू उभरते क्षेत्रीय बल्लेबाजों के समूह में शामिल होंगे जो चेन्नई अकादमी में बल्लेबाजी शिविर में भाग लेने के लिए भारत की यात्रा करेंगे, जिसमें मुख्य ध्यान स्पिनिंग परिस्थितियों में बल्लेबाजी करने पर होगा।

सैमी ने कहा, हम पुरुषों के 50 ओवर के विश्व कप के मुख्य लक्ष्य की ओर बढ़ना जारी रखते हैं, जहाँ हम श्रृंखला जीतने के अल्पकालिक उद्देश्यों के साथ-साथ खिलाड़ियों के पूल को व्यापक बनाने की कोशिश कर रहे हैं, खासकर घरेलू मैदान पर।

हॉकी इंडिया लीग 2024-25 का आधिकारिक रेडियो पार्टनर बना बिग एफएम

नई दिल्ली

भारत के प्रमुख रेडियो नेटवर्कों में से एक, बिग एफएम ने 2024-25 सीज़न के लिए आधिकारिक रेडियो पार्टनर के रूप में हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के साथ साझेदारी की है। इस सहयोग का उद्देश्य हॉकी को लाखों प्रशंसकों के करीब लाना है और यह सुनिश्चित करना है कि इंडियाकागेम की गूंज देश के हर कोने में हो।

बहुप्रतीक्षित हॉकी इंडिया लीग 28 दिसंबर 2024 को शुरू होगी, जिसमें आठ पुरुष और चार महिला टीमों की रोमांचक लाइनअप राउरकेला और रांची में प्रतिस्पर्धा करेगी। विशेष रूप से, यह सीज़न महिला हॉकी इंडिया लीग की शुरुआत का भी प्रतीक है, जो हॉकी इंडिया की समावेशिता और खेलों में महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

बिग एफएम के सीओओ सुनील कुमारन ने कहा, बिग एफएम को भारत की समृद्ध हॉकी विरासत का जश्न मनाने और बढ़ावा देने के लिए हॉकी इंडिया लीग के साथ साझेदारी करने पर गर्व है। हॉकी लाखों लोगों के दिलों में एक विशेष स्थान रखती है, और यह सहयोग जागरूकता फैलाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। खेल की विरासत और महत्व के बारे में, हमारा लक्ष्य हॉकी की अविश्वसनीय यात्रा पर प्रकाश डालना और पूरे देश में इस खेल के प्रति गहरी सराहना को प्रेरित करना है। सहयोग पर हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) गवर्निंग कमेटी के चेयरपर्सन डॉ. दिलीप टिर्की ने कहा, रेडियो में देश के सुदूर कोनों में लोगों से जुड़ने की एक अद्वितीय क्षमता है, जो इसे एक आदर्श माध्यम बनाती है। हॉकी को बढ़ावा दें। बिग एफएम की आकर्षक सामग्री और देशव्यापी पहुंच के साथ, हमारा लक्ष्य हॉकी को घरेलू चर्चा बनाना है। यह साझेदारी पूरे भारत में उत्साह बढ़ाएगी और अधिक प्रशंसकों को सइंडियाकागेम के करीब लाएगी, हम हॉकी इंडिया लीग को लोकप्रियता की नई ऊंचाइयों पर ले जाने को आश्वस्त हैं।

एचआईएल गवर्निंग कमेटी के सदस्य भोला नाथ सिंह ने कहा, बिग एफएम की मनमोहक कथा शैली और व्यापक पहुंच इसे हॉकी के प्रशंसक आधार को बढ़ाने के लिए एक आदर्श भागीदार बनाती है। इस एसोसिएशन के माध्यम से, हमारा लक्ष्य सइंडियाकागेम के समर्थन में देश को एकजुट करना और लाखों लोगों को प्रेरित करना है। 2024-25 हॉकी इंडिया लीग गेम-चेंजर साबित होने वाली है और यह साझेदारी हॉकी को हर मंच पर सुलभ बनाएगी, चाहे वह टेलीविजन, डिजिटल या रेडियो हो। बिग एफएम के साथ, श्रोता हर मैच पर नजर रख सकते हैं और अपनी पसंदीदा टीमों और खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ा सकते हैं।

हैदराबाद के खिलाफ तीन अंक बटोरकर फॉर्म बरकरार रखना चाहेगी एफसी गोवा

मैनोलो मार्कुएज के गौर्स हैदराबाद एफसी के खिलाफ तीन अंक बटोरकर फॉर्म बरकरार रखना चाहेंगे

हैदराबाद

हैदराबाद एफसी अपने घरेलू मैदान जीएमसी बालायोगी एथलेटिक स्टेडियम में अपनी दो पिछली हार का सिलसिला तोड़ना चाहेगी, जब वो बुधवार शाम इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में मैनोलो मार्कुएज की एफसी गोवा से भिड़ेगी।

मार्कुएज ने 2021-22 में हैदराबाद एफसी को आईएसएल कप जिताया था और फिर गोवा में गौरवशाली दिनों को वापस लाने के लिए गौर्स के साथ जुड़ गए। एफसी गोवा नौ मैचों में चार जीत, तीन ड्रा और दो हार से 15 अंक लेकर तालिका में छठे स्थान पर है। वहीं, हैदराबाद एफसी नौ मैचों में दो जीत, एक ड्रा और छह हार से सात अंक लेकर तालिका में 11वें स्थान पर है।

एफसी गोवा ने पिछले मैच में केरला ब्लास्टर्स एफसी को अपने घरेलू मैदान पर 1-0 से हराया था जबकि हैदराबाद एफसी को आइलैंडर्स के हाथों 0-1 से हारी थी।

इस सीजन में हैदराबाद एफसी अपने घरेलू स्टेडियम में खेले सभी तीनों मैचों में हारी है। हैदराबाद ने अब तक सेट पीस से तीन गोल खाए हैं, जो सभी टीमों में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा है। इसके उलट, एफसी गोवा ने अब तक कॉर्नर से एक भी गोल नहीं खाया है।

गोवा ने इस सीजन में प्रति मैच 161.1 फॉरवर्ड पास किए हैं जो हैदराबाद एफसी के 141.9 पासों से लगभग 19 अधिक है। अब तक उनके 17 गोलों से पता चलता है कि वे ऐसा करने में भी सफल रहे हैं।

गोवा ने हैदराबाद एफसी के खिलाफ अपने पिछले दो मैच क्लीन शीट रखते हुए जीते हैं। अगर वे कल जीतते हैं, तो यह लीग में हैदराबाद के खिलाफ उनकी सबसे लंबी जीत का सिलसिला होगा। हैदराबाद एफसी के हेड कोच थांगबोई सिंग्टो को उम्मीद है कि एफसी गोवा के खिलाफ उनकी टीम अपने आक्रामक प्रदर्शन में सुधार करके माकूल परिणाम हासिल करेगी। उन्होंने कहा, मैं आंकड़ों का बहुत बड़ा प्रशंसक नहीं हूं क्योंकि लेकिन आंकड़े बताते हैं कि मोहम्मडन और केरला ब्लास्टर्स के खिलाफ खेलते समय विपक्षी बॉक्स में हमारी एंट्री बहुत अधिक थी। यह दर्शाता है कि हमें गेंद को विपक्षी बॉक्स में अधिक से अधिक रखना होगा। हमारे पास रचनात्मक और तेज-तर्रार खिलाड़ी हैं, जो मौके बना सकते हैं और टारगेट पर शॉट ले सकते हैं; कल यही लक्ष्य होगा। एफसी गोवा के स्पेनिश हेड कोच मैनोलो मार्कुएज ने गौर्स को आगाह किया कि वो हालिया जीतों से उत्साहित न हों, बल्कि एक समय में एक मैच पर ध्यान दें, ताकि जीतने की संभावनाएं अधिकतम हो सकें। उन्होंने कहा, जब आप लगातार जीतते हैं, तो लोग आपको सर्वश्रेष्ठ कहते हैं, और जब आप लगातार हारते हैं, तो %घर जाओ, अपने देश वापस जाओ% के नारे लगते हैं। यही फुटबॉल है, हम जीतने पर बहक नहीं सकते और हारने पर निराश नहीं हो सकते। हम लगातार नौ अंक लेकर अच्छी स्थिति में हैं। यह बेहद प्रतिस्पर्धी लीग है, लेकिन हमें आगे बढ़ते रहना है, एकाग्रता के साथ तैयारी करनी है। बता दें कि ये दोनों टीमें आईएसएल में 10 बार भिड़ी हैं, जिनमें एफसी गोवा और हैदराबाद एफसी क्रमशः पांच और तीन बार जीती हैं। दो मैच ड्रा रहे हैं।

ब्यूटी टिप्स

सुबह उठते ही पानी पीने से निखरती है सुंदरता

बेहतर जीवन यापन के लिए जरूरी है शुद्ध और पौष्टिक आहार, परफेट व्यायाम और ढेर सारा पानी। इन तीनों ही चीजों को अगर बिल्कुल सही तरीके से मेनटेन करके चला जाए, तो आपकी बॉडी भी पूरी तरह से हेल्दी, वेल्दी एंड फाइन बन जाती है। अब आपमें से कई लोग ये सोच रहे होंगे कि पौष्टिक आहार और व्यायाम तक तो सुना था। अब इसमें पानी का ऐसा या रोल है। बहुत बड़ा रोल है। कहते हैं कि रोज सुबह खाली पेट पानी पीने से आपके शरीर को बहुत सारे फायदे होते हैं। सिर्फ यही नहीं पानी आपको और भी कई तरीके से हेल्दी रखता है। कैसे, आइए जानें।

गंदगी का बाहर निकलना जरूरी

सांस लेने में, खाना खाने में या कई और तरीकों से भी बाहर की गंदगी हमारे शरीर में पहुंच जाती है। इस गंदगी को लोग अगर समय-समय पर शरीर से बाहर नहीं निकालते रहे तो ये हमारी बॉडी के अंदर ढेर होकर किसी भी तरह का नुकसान पहुंचा सकती है। इस गंदगी को शरीर से बाहर निकालने का सबसे सही उपाय है पानी। हम जितना ज्यादा से ज्यादा पानी पिएंगे। हमारी यूरिन के जरिए ये गंदगी हमारे शरीर से बाहर निकलती रहेगी।

कब्ज रहता है दूर

आपको भी आए दिन कज की समस्या सताती है। हां, तो आपके लिए भी रामबाण दवा है सिर्फ और सिर्फ पानी। दरअसल ऐसा तो डॉटर्स की भी राय होती है कि खाली पेट पानी पीने से पेट पूरी तरह से साफ हो जाता है। अब जाहिर सी बात है कि जब पेट पूरी तरह से साफ हो गया तो पूरे दिन के लिए आपकी पाचन क्षमता और भी अच्छी हो जाएगी।

त्वचा में आता है निखार

आप भी ग्लोइंग स्किन के मुरीद हैं तो सबसे आसान नुस्खा है सुबह उठते ही सबसे पहले पानी पीना। ऐसा करने से आपका शरीर हाइड्रेटेड रहता है। इसके साथ ही आपकी स्किन भी सॉफ्ट होती है।

दुरस्त रहती है पाचन किया

किसी को भी अगर अपनी पाचन क्रिया पूरी तरह से दुरुस्त रखनी है तो सबसे अच्छा तरीका है जी भर के पानी पीना। सुबह उठते ही पानी पीने से पाचन क्रिया दुरुस्त रहती है। सिर्फ यही नहीं ऐसा करने से हमारी पाचन क्रिया 1. 5 घंटे तक 24 प्रतिशत और भी ज्यादा बढ़ जाती है।

आईब्रो घनी करने के लिए करें ये घरेलू उपाय

आईब्रो उन सब महिलाओं के लिए काफी आवश्यक हो गया है आप दिखने में सुंदर हो सकती हैं लेकिन अगर आईब्रो को ठीक तरह से न बनाया गया हो तो आपकी सुंदरता छिप जाती है। हर महीने महिलाएं और लड़कियां थ्रेडिंग करवाने के लिए ब्यूटी पार्लर जाती हैं। थ्रेडिंग से आईब्रो के अनचाहे बाल निकल जाते हैं और उनका आकर सुंदर दिखने लगता है। लेकिन कई मामलों में महिलाओं की आईब्रो में पर्याप्त मात्रा में बाल नहीं होते हैं ।

एक परिपूर्ण मोटी भौं आपको और अधिक सुंदर बना देती है। एक मोटी भौं होने का यह लाभ होता है की आप उन्हें कोई भी आकार दे सकते हैं। यही कारण है की महिलाएं मोटी आईब्रो के लिए तरसती हैं। पेंसिल से पतली भौंहों बनाने के दिन अब नहीं रहे है।

एलोवेरा

एलोवेरा जेल अपने बाल कूप का पोषण करता है और उनके विकास को बढ़ावा देता है। अगर आपके घर में एलोवेरा का पौधा हो तो आप आसानी से इसका जेल निकाल सकती हैं। यह जेल आईब्रो को घना बनाने के साथ ये उनको नरम और कोमल बना देता है। यहां तक कि इस प्राकृतिक औषधि के इस्तमाल के बाद आपको किसी प्रकार के लायटेनिंग उत्पाद का उपयोग करने की जरुरत नहीं पड़ेगी।

दूध

दूध बालों का एक प्राकृतिक कंडीशनर है। पिने के लिए या चाय बनाने के लिए दूध हमेशा आपके फ्रिज में रहता है। अब आप उसे आपनी आईब्रो मोटी करने के लिए उपयोग में ला सकते हैं। एक छोटी कटोरी में दूध ले, दूध के अंदर एक कपास का गोला डुबोकर धीरे से अपनी आईब्रो पर रगड़ें। आईब्रो मोटी करने के लिए जब भी समय मिले तब आपको यह उपाय करना होगा। नींबू को दूध के साथ मिलाकर भी उपाय कर सकते हैं। दूध का एक कटोरा लेकर इसमें नींबू रस की कुछ बूँदें डालें। अच्छी तरह मिलाकर कपास के साथ इस मिश्रण को अपनी आईब्रो पर लगायें। यह आपको मोटी आईब्रो देने में मदद करेगा।

प्याज का रस

यह आईब्रो के बालों को तेजी से बढ़ाने और उन्हें घना करने में काफी मदद करता है। प्याज में मौजूद सल्फर का रस कोलेजन की कोशिकाओं के उत्पादन में बढ़ोत्तरी करता है, जिससे आईब्रो के बाल काफी तेजी से बढ़ते हैं और बालों के फॉलिकल्स को मजबूती मिलती है। अपनी आईब्रो पर प्याज के रस की मदद से 5 मिनट तक मालिश करें और इसे सूखने के लिए छोड़ दें। इसके बाद इसे एक सौम्य क्लींजर और ठन्डे पानी से धो लें। इस उपचार को कम से कम 1 महीने तक जारी रखें।

नींबू

नींबू का उपयोग करना काफी आसान है। बस एक टुकड़ा काटकर इसे अपनी भौहों पर रगड़ें। यह अद्भुत तरीके से अपनी आईब्रो बढ़ने में मदद करेगा। आप नींबू निचोड़ कर उसका रस निकालकर भी आईब्रो पर लगा सकते हैं। रस लगाकर उन्हें धीरे से रगड़ सकते हैं।

नारियल तेल

नारियल तेल एक उपयोगी प्राकृतिक उपाय है। अगर आप अपनी आईब्रो का रंग ज्यादा काला गहरा करना चाहते हैं तो यह नारियल तेल एक प्रभावी तंत्र होगा। नारियल तेल बालों के विकास के लिए बहुत प्रभावी पाया जाता है। यह बालों के रोम को पोषण देता है। नारियल के तेल की कुछ बूँदें लेकर अच्छी तरह से अपने आईब्रो पर इसे लगा सकते हैं। अगर आप इसे रोज इस्तेमाल करें तो आप काली और मोटी आईब्रो पा सकती हैं।

वास्तु टिप्स

हाथ में पहनें कछुए वाली अंगूठी कभी नहीं होगी धन की कमी

अंगुठी पहनने का सभी महिलाओं को बहुत शौंक होता है। सोने, चांदी और अन्य कई रत्नों की अंगुठियां उनके पास होती है लेकिन कुछ महिलाओं ने कछुए वाली अंगुठी पहनी होती है जो सिर्फ हाथों की सुंदरता ही नहीं बल्कि वास्तु दोष को भी मिटाती है। आइए जानिए कछुए वाली अंगुठी पहनने से क्या फायदे होते हैं।

अंगूठी पहनने का तरीका

कछुए वाली अंगुठी पहनने से कई वास्तु दोष खत्म होते हैं और धन की प्राप्ति भी होती है। कछुए वाली अंगुठी को हमेशा चांदी की धातु में ही बनवाएं। सोने की धातु में होने से फायदे की जगह नुकसान हो सकता है और इसे हमेशा शुक्रवार के दिन ही पहनें। इसे पहनते वक्त यह ध्यान रखें कि कछुए का मुंह आपकी तरफ हो। अगर मुंह बाहर की और होगा तो धन आने की बजाए चला जाएगा।

आत्मविश्वास बढ़ाए

कछुए वाली अंगुठी पहनने से व्यक्ति के जीवन में कई वास्तु दोष खत्म हो जाते हैं। इससे सिर्फ वास्तु दोष ही नहीं बल्कि व्यक्ति के जीवन में आत्मविश्वास भी बढ़ जाता है।

धन प्राप्ति

कछुए को भगवान विष्णु का वाहन माना जाता है जिससे इसे पहनने से कभी धन की कमी नहीं होती।

सुख-समृद्धि

इस अंगुठी को पहनने से जीवन में सुख-शांति आती है और खुशियां बनी रहती हैं।

इस योग से बढ़ती है फेफड़ों की कार्यक्षमता

योग आसनों की शुरुआत के पूर्व अंग संचालनों में पारंगत हुआ जाता है। अंग संचालनों के क्रम में ही एक अंग संचालन पूर्ण भुजा शक्ति विकासक क्रिया है। जिन लोगों को कठिन आसन करने में दिक्कत होती है, वे इस अभ्यास से आसन और प्राणायाम के लाभ एकसाथ प्राप्त कर सकते हैं।

पूर्ण भुजा शक्ति विकासक क्रिया योग की विधि

सबसे पहले सावधान मुद्रा में खड़े हो जाएं। अब दोनों पैरों के पंजों को आपस में मिला लें। फिर भुजाओं को सीधा, कंधों को पीछे खींचकर और सीने को तानकर रखें। इसके बाद दाएं हाथ का अंगूठा भीतर और अंगुलियां बाहर रखते हुए मुट्ठी बांध लें। फिर बाएं हाथ के तलवे को जंघा से सटाकर रखें। श्वास भरते हुए दाईं भुजा को कंधों के सामने लाएं। उसके बाद श्वास भरते हुए भुजा को सिर के ऊपर लाएं। अब श्वास छोड़ें और दाईं हथेली को कंधों के पीछे से नीचे लेकर आएं। इस तरह एक चक्र पूरा होगा। अब दाएं हाथ से लगातार 10 बार इसी तरह गोलाकार चलाएं। उसके बाद बाएं हाथ से भी मुट्ठी बनाकर 10 बार गोलाकार चलाएं। अंत में धीरे-धीरे श्वास को सामान्य कर लें। श्वास के सामान्य होने के बाद दोनों हाथों की मुट्ठी बनाकर 10 बार गोलाकार चलाएं। सामने से पीछे की ओर ले जाएं। इस दौरान श्वास की एकाग्रता और संतुलन बनाए रखें। जिस तरह हाथों को एक दिशा में गोलाकार घुमाते हैं, उसी तरह हाथों को उल्टी दिशा में भी गोलाकार घुमाना चाहिए। इससे विपरीत योग संचालन भी हो जाता है, जो कि जरूरी है।

सावधानी

योग संचालन के दौरान श्वास के प्रति सजग रहें। एक श्वास में एक चक्र पूरा करें। बाजू बिलकुल सीधी रखें। शरीर को तानकर रखें।

इसका लाभ

इस अंग संचालन योग को करने से जहां एक ओर प्राणशक्ति का विकास होता है वहीं खुलकर गहरी सांस लेने और छोड़ने से फेफड़ों की कार्यक्षमता बढ़ती है। इसके चलते प्राणशक्ति का स्तर बढ़ जाता है और व्यक्ति दिनभर चुस्त-दुरुस्त बना रहता है।

इसके नियमित अभ्यास से भुजाओं की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और कंधों की जकड़न दूर होती है। इसके नियमित अभ्यास से शरीर के सभी अंगों में प्राणशक्ति का संचार होने लगता है।

उज्जैन का महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर

महाकालेश्वर मंदिर मध्यप्रदेश राज्य के उज्जैन नगर में स्थित है, इस मंदिर की बहुत मान्यता है। कहते हैं शिव के अनेक रूप हैं। भगवान शिव देशभर में अनेक स्थानों पर ज्योतिर्लिंग के रूप में विराजमान हैं। भारत देश मे 12 प्रमुख ज्योतिर्लिंग है, महाकाल ज्योतिर्लिंग, शिव जी का तीसरा ज्योतिर्लिंग कहलाता है। यह एक मात्र ज्योतिर्लिंग है जो दक्षिणमुखी है। भव्य और दक्षिणमुखी होने के कारण महाकालेश्वर महादेव की अत्यन्त पुण्यदायी महत्ता है। कहते है इसके दर्शन मात्रा से ही पुण्य की प्राप्ति हो जाती है भगवान महाकालेश्वर के इस नगर उज्जैन में एक-दो नहीं बल्कि 33 करोड़ देवता छोटे-बड़े मंदिरों में विराजते हैं। महाकाल को उज्जैन का राजा कहा जाता है

महाकालेश्वर मंदिर का **इतिहास** मराठों के शासनकाल में यहाँ दो महत्त्वपूर्ण घटनाएँ घटीं.... पहला, महाकालेश्वर मंदिर का पुनर्निर्माण और ज्योतिर्लिंग की पुनर्प्रतिष्ठा तथा सिंहस्थ पर्व स्नान की स्थापना, जोएक बहुत बड़ी उपलब्धि थी। आगे चलकर राजा भोज ने इस मंदिर का विस्तार कराया।

महाकालेश्वर मंदिर

महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग' का अपना एक अलग महत्व है। यहां शिवलिंग का अलग-अलग रूपों में श्रृंगार किया जाता है। मंदिर एक परकोटे के भीतर स्थित है। गर्भगृह तक पहुँचने के लिए एक सीढ़ीदार रास्ता है। इसके ठीक उपर एक दूसरा कक्ष है जिसमें ओंकारेश्वर शिवलिंग स्थापित है। मंदिर का क्षेत्रफल 10.77 × 10.77 वर्गमीटर और ऊंचाई 28.71 मीटर है। मंदिर से लगा एक छोटा-सा जलस्रोत है जिसे कोटितीर्थ कहा जाता है। ऐसी मान्यता है कि इल्तुत्मिश ने जब मंदिर को तुड़वाया तो शिवलिंग को इसी कोटितीर्थ में फिकवा दिया था। बाद में इसकी पुनर्प्रतिष्ठा करायी गयी।

महाकाल की भस्म आरती

प्रतिदिन सुबह होने वाली भगवान की भस्म आरती के लिए कई महीनों पहले से ही बुकिंग होती है। इस आरती की खासियत यह है कि इसमें ताजा मुर्दे की भस्म से भगवान महाकाल का श्रृंगार किया जाता है कहा जाता है कि यदि आपने महाकाल की भस्म आरती नहीं देखी तो आपका महाकालेश्वर दर्शन अधूरा है । इस आरती का एक नियम यह भी है की इसे महिलाएं नहीं देख सकती हैं। इसलिए आरती के दौरान कुछ समय के लिए महिलाओं को घूंघट करना पड़ता है।आरती के दौरान पुजारी एक वस्त्र धोती में होते हैं। इस आरती में अन्य वस्त्रों को धारण करने का नियम नहीं है। महाकाल की आरती भस्म से होने के पीछे ऐसी मान्यता है की महाकाल श्मशान के साधक हैं और यही इनका श्रृंगार और आभूषण है।महाकाल की पूजा में भस्म का विशेष महत्व है और यही इनका सबसे प्रमुख प्रसाद है। ऐसी धारणा है की शिव के ऊपर चढ़े हुए भस्म का प्रसाद ग्रहण करने मात्र से रोग दोष से मुक्ति मिलती है।

रेसिपी

कुल्चा

सामग्री

मैदा- 300 ग्राम, खमीर- 1 या 1/2 चम्मच, चीनी- 1 चम्मच, नमक- 1 चम्मच, मखन- 1 चम्मच, पानी- 250 मिलीलीटर, तेल- 1 चम्मच, मेथी के सूखे पो- स्वाद के लिए

विधि

एक बाउल में 300 ग्राम मैदा, 1 या 1/2 चम्मच खमीर, 1 चम्मच चीनी, 1चम्मच नमक, 1 चम्मच मखन, 250मिलीलीटर पानी डालें और आटे की तरह गूंध लें। आटे को नर्म करने के लिए इसमें 1 चम्मच तेल डालें और दोबारा गूंधे। अब इसे 20 मिनट के लिए रख दें। फिर आटे का कुछ हिस्सा लेकर रोटी की तरह बेलें। इसके बाद इस पर मेथी के कुछ पो फैलाकर दोबारा बेलें। अब इसे एक बेकिंग ट्रे पर रखें और ओवन को 400°F/200°F पर प्रीहीट करें। फिर इसे 10 से 12 मिनट के लिए बेक करें। आपका गर्मा-गर्म कुल्चा तैयार है। इसे न्यूट्री के साथ परोसें।

आलू और साबूदाना टिक्की

सामग्री

दो कप उबले और मैश किए आलू, आधा कप साबूदाने को 7-8 घंटे साबूदाने को भिगोकर निथार लें, दो चम्मच सिंघाड़े का आटा, दो चम्मच मूंगफली को भुनकर थोड़ा दरदरा पीस लें। दो बारीक कटी हरी मिर्च, आधा चम्मच धनिया पाउडर, आधा चम्मच आमचूर, आधा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, सेंधा नमक और लाल मिर्च स्वादानुसार।

विधि

एक बर्तन में मैश्ड आलू रखें। इसमें साबूदाना और मूंगफली अच्छे से मिलाएं और सीजनिंग की सभी सामग्रियां मिला लें। अब इसमें सिंघाड़े का आटा डालकर मिलाएं जिससे यह थोड़ा कड़ा हो जाए।अब गीले हाथों से इनकी गोलियां बनाकर उन्हें चपटा कर लें। गहरे पैन में इन्हें गोल्डन ब्राउन होने तक डीप फ्राइ कर लें। गर्मागर्म परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)